

[illegible]

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

बाच ॥ अगस्त्य मुनी वेवत नामा अचिले तपस्या गन्या का अथा ज्ञाना सु
रसकछ संसरोवरनाइनी पुनीते आश्रम गरी वस्या ज्ञापीया कोहि एकदा निम
वारा आरकन एससरोवर पा माछा नाहे नतीत जार जडा भयो लोदे विन
नचन उतो जाछन तपस्या गरी रक्षा कापी यार बोले नन भेकन हात कातिले
नमन मांती छेक दामा पनी नमानो कन एसवी डालले एससरोवर ना जालले
लोपिकन अनेक माछा मोर्दी भयो रु वेवत मुनी लेपनी प्रहृतन सको कन
पस्या गन्या पनी छेडी कन मोडे डाले कन एसवी डाले कन जिकना आरकन को
धगरी आग्या मोर्दी भयो हे पापि छेले छेले सल सल जिकन रसम नमा भे दाभ
देवा मेरा वचन नमानो कन माछा न मारी सहे पापी छेत लुगुर भयो स
ति आपदी यार ताहा पछि वेवत मुनी का पले पोवा डाल जो छे ताहा सल
गुर भेकन सयव वं प्रमारा सीग भुमना रोकन हिड दो भयो लोदे कन सीग
मा भुमना गरी हिड दामा हिमाल पका भुमना पुग्दो भयो देवछाट ना भुमना
जाति धमा पुगो कन एहा देखि छेले जोग पुत्तर माक भुगकाटा करगछि को
सस्थान ना अनेक मुनी कात परवा गन्या स्थान भया को एसस्थान भायो लुकर पु
गत गन्या हिमाल प्रका प्रभावले एस सुकर को आभ पुक भुमना अधिको सुपु
बालि भेकन पुता कासे पडनाले भुमना स्थान मा वास गरी वस दो भयो माहाप छेले
छा पुत्र परिवार पनी समुग एस स्थान मा पुग्दो भयो र भेकन ससे स्थान मा छि
रगरी वस दो भयो माहा छेले दाहा लका लम छेले की कन धर्म का भाव नागरिक व
स दो भयो वेला गन्या डी के दाहा वल गरी उकन भुमना आरकन रसमने छेले
रवी वे आइ पुग्दो माता हात छेले वेडा आदर पुर्व भित्र डा के कन प्रहृतन रिकन रसम
क्षालन गरी गुरा गन्या कन कन वात गरी कन रीरता न मारी वे मागरी कन ताहा
पछि दिव्य आशान्तारा गन्या कन गन्या नागरी राउं दो भयो र रम आनन्द भेकन सस
छेले वेता दो भयो हाहा कन मेरो भागे आज मेरो भक्तता थो भयो इ न जिन
छेले कन पाल गरिम निस पाप भयो गती न गति ताहा एस सल वला न हो छेले
आका छेले हास संय भन्दो भयो पुत्र अवती मिहले छेले माग प्रोगरी संभार भ
कन पावन वेता नुं हे पुत्रो हे वे अनेक तरुका पाप कर्म गन्या को छेले नमनी
नमनी भुमना गन्या लाइत स्या गरी गन्या एस प्रकार कन सस गरी पुगि ना र
निश भेकन पुग्दो छेले गुरा ट प्रस्थान गरी वी के दार विधे पुग्दो भयो माहा
पुग्दो माहा गरी कन उछ कुरा ड का जल पान गरी कन वी का नाथ कन सन
सस सस सस सस कोटि जन्म का पाप पुन भुमना परमेश्वर वी काना थसंग
सस सस सस सस लेले प्राय नागर्दी भयो र मेश्वर ममला पात किव रागल एस
नल गन्या उछ कुरा प्रशन्न भय जा वल हे पापेश्वर सस संसार रुपित को सुपुट एस
घर सस सस सस प प्राप्त मेरो माछु सस सस सस पुग्दो विन मापी छि उछ गरी
रान्न न सस सस लेले भयो एस प्रकार गन्या गरी कन एस सस लेले वी के
थर विधे मम वन कन तीते पो कन उछ न प्रगण्ड गरी वस्या को पीयो एस
न कर संग मम मम कन सस सस को दो कन वी नाथ माछु कन ले पा सस
नेकन वे कुरा वल दो कन विमान वल लया कन सदेह संग वत पुजि गरी
विमान गरी विधे कन लेले कन दाया माया गरी कन अकार जन्म
इन सले पनी पिता का वर गन्या वी अठारै जवाघ वाटनी कन हापेता र
कुरा अनेक स्थान मा ज दो भयो न सवला माहा इना भुमना को स्थान वी भुमना

विमानभारगविदेवराजने जल नदी भिन्न भाषा पाये अकारजने चरने
इनहले पनी पित्त का खर गुरु वरी अकारे जनाद्युवाटनी लिंकन हापिता २ नदे
कराड अने कल्याण मया जदी न सो न सवेला मोह इनग मग्या को स्थान वी भे उर
होम योस इनहले तद गुराड मा खान गरी कन सल प्रभाव ले इ अकारे भुनको पाप गु
कने केन विवाव दाना भय ॥ स्कंद उवाच ॥ हे अगस्त्य पुनः इनहले भय भुनने दि
कन सा प्रगति भयादि इनहले कराड कराड विषे येती भिर महादेव कादि शन पाउ दो भ
म इनहले स मात ले द राड त प्रण म गरी आनन्द सी गजे वा हिन्याले भ द्या भय हे भाइ
साय को धन ले मो हावी हस्को भागे सला यो निस्वरु प म हा देव काद शन पाउ ना ले
मति मोह मी हस्को नी स मा पु दु दो वयो त स नी भिन्न हे भाइ स स त्या त हो गी कन का
ल काडर से त्या न मा हा मि हस्को स्प वा गी कन आनन्द सी गउ सु भ नी ऐ स त्या न मा
आनन्द सी गव रे भया क मा र ले अगस्त्य पुन प्रती आग्पा ग दी भया ॥ ॥ शत श्री
स्कंद पुराणे नी पव तर वर ड आगस्त्य पुन स वा दे द स मो ध्यायः ॥ १० ॥ स्कंद उवाच ॥
हे अगस्त्य पुन सम धी वल को जे रा हस् अकार जनाले स इ प्रयाग का यो ति भव स महा
देव म ग वे श क को पु र्णि मा को दीन स कृती गरी भयो हे परमेश्वर महादेव त पा नी
का ल सा क म ल मा को गि र त म स्कार हे परमेश्वर यो ति रूप भे विराज मान भया
का नीले प्रथमि भुल पा गि भ इ वी र ज मान भया का फेरी पावती अध गि नार
मो वी र ज मान भया का वा भु कि ना ग ले ग ला वी वि धार गा गरी वि र ज मान भ
हा का इ व र धार गा ग नी मा का त भु व न का खू मि भया के स स्ता त पा भो ले हा
मि हस्को इ उ दार ग मि प्र दान भया ज स ले हे परमेश्वर पै गि न जी क स्ता भया
भु ति स्थि ती शि शार क क र मे मा या व न इ क न अने क प्रीति गि गरी क न प
स जारि का ह द न प प पु ने का रा स मि वे र ज मान भया का स स्ता मा या दे र ले न
मि न भया का स स्ता त पा र का य रा ग न को गि र त म स्कार हे खानि महादेव हा मी
सु जा हो महा पात कि अध म ज ग ती भया का महान क विषे बु डिर सा का हो त स
नी मि न हा मि ना इ उ दार गरी प्र स न भया जा व स स स प्रकार संग कृती गरी मा
इनहले का ल तिले महादेव संतु ह भे क न महादेव ले न दी के वर लाइ आग्पा गरी
सो हि अगस्त्य मा फि क नु दिक चर इन धी वर व स्ता त मा आ इ क न भ द्या भया
हे धि वर नि मि ह्ता का भ क ले श्री महादेव संतु ह भया भव ती मी हस् ले म संग व र ना
ग रु ती मो ह स्को क या इ शा ह स स धी वी के रा जा उ ले कि ध ना शू ह दो स्वर्ग वा
रा ग दी हो कि मा इ सा ह सो वर मा ग भ नी र ता प्र कार संग न दी के वर ले आ
मा ग दी भया का ल ले वि नी ग दी भया हे परमेश्वर न दी के वर हा मि हस् ता
का उ ना क प नी ध ना शू ना का प नी इ सा ह हा मि हस् का इ शा भ द्या र नी मा व
श ग ना को इ सा ह हा मि हस् अकार ज न ग भा र का अकारे भु व न मा हा मि ह्ता
रा धि प्र रा भ ह व स स स प्रकार संग धी वर का व न सु ना क न यो धी न दी ले
आग्पा ग दी भया हे धी वर ती नी हस् ले जा हा भ न्यो ता र ता यो ड ला भ नी आग्पा
म र्ति क न इ न दि ले शि व उ त ह स्को त ड अर मि व ड ह स्को ले न दी का आग्पा ले
अरु द गो ट वी सान त ल ल्या इ क न स स वी मान मा रा धि क व इ म द वा ल ह स्को
न अर रा व ती मा ल न्या दा भया आ हा देव लोक ह स्को श नी हस् ला इ दे धि क न भ
दा हे धि वर नि मि ह्ता स स स्था न मा व धु ज देव देव लोक का राजा को आश्र त हो इ
ले स हा ना ले न स स नी नी न नि मि ह्ता अ न ज उ भ द्या मा भ नी इ न धी वर ह स्
ले देव लोक का व व न त न नी क न त हि व स दा भया देव राज इ न ले को ध गरी क न
इनहले म ग म हा यु ड रो भ यो र इन धी वर ह स्को महादेव का वर प्र शा द का प्र भा
व ले स म स देव लोक का मा ज आ गि

रुद्राक्षमग्नहोयुद्धदामभारश्चभीवरुद्रलेखदेवकावरप्रशान्तकाप्रभा
वत्समस्तदेवलोकममात्राआदिताइजितिकनअमरावनिआदिअठारण्य
बाधवनविषेजकारैतगाभाइवमिदेवलोककाअधिकारभोगगरिकनुदेवके
पहजरसम्मभोगगरिरुद्रोभयोहेदेवलोकहस्ताइमहासंतापनेकनइ
आदिदेवतासम्पूर्णब्रह्माकासरसमागिकनआक्रारुखभसाकोहृत्तांत
समस्तवितीगदाभयाग्रहुलालेभयापनीदेवलोककाएस्तोहवालभयाको
हरिकनवेकराठवीयेवीछुकानगिचडाडकिन्हेगिकनदेवलोककाउखकीह
तोन्नसमस्तआप्पागदाभयाएस्तोब्रह्माकाआप्पासुतीकनमहाविष्णुजाह्नवा
आप्पागदाभया॥ विलोवाव॥ हेपितामहकुमारमहादेवकावरप्रशान्तलेखदेव
कासमेलेकसागरिदीगरीविहारिदिनुमेरोसासर्घदेवअवमसहितोंक
परमेस्वरमहादेवसंगवितीगराजाउंहउदेवारनाप्रतिमिहमुक्ताकाव्यमि
हगरीदिन्याछनसप्तप्रकारसंगआप्पागरीविष्णुप्रभृतीदेवलोकसमस्त
केदारेश्वरमहादेवसंगगेकनविनिगदाभयाहेपरमेस्वरमहादेवहामिहस्तके
अधिकारसम्पूर्णधिवरहेस्तोलिदोभयोहामिलाइवछपागउंपतीभयेन
कसोगन्याहोहामिहस्तकारधारगरीअशन्नभयाभावसप्तप्रकारसंगवि
लापगरीविनिगत्याकाभायासुतीकनमहादेवलेआप्पागदाभया॥
महादेवउवाच॥ हेदेवलोकहोतीधीवरहस्तकाभावभक्तिलेमेलेवरप्रशा
दिमाकोहीमजेछुभक्तकावसरुजभ्लेजलोकापनागरीभजनमर्त्यत
भ्लाकासनमाफिककोवरप्रशान्तकरिछुतसनीमित्तइहस्तअलीम
आप्पाभयापनीभावठलेहुनालेएकावरकनपाउंदोभयोहेदेवलोकति
मिहस्तउपताउपदैदनइनहस्ताइयतिउतीवस्यकोप्रमारागरीमेलेवर
योकोदेनइनहस्तलेपगीमसंगजाहंसम्मानीवरदानमाग्पाकोछैनसप्त
तीमित्तितिमिहस्तकेनपोधीवरहस्ताइस्वर्गमारावमुपदैदनतीकारनीक
नपकाउभन्याएस्तोमहादेवकाआप्पासुतीकनदेवलोकहस्ताइनुसुभिभे
ष्टकमहादेवलाइवहजारप्रद्वीतागरेनमतारगरीविदाभेकनआउहा
भया॥ छंदउवाच॥ हेअगस्त्यमुनीइंधीवरकाअज्ञादशभाइमाजेछवा
हिफोटुंगुनामगतहोतसबंगसंगनारदमुनीभाइअनेकउपदेशादिक
नुलोहिहस्तकनारदमुनीमसंगआइकहदाभयाहेअगस्त्यमुनीबंगस
गतागदमुनीगयाकावेतामाबंगुनेछतमलेनारदमुनीकाचरणमादराड
ततगऐकनुअनेकआदरपूर्वकपावेगरिकदभित्रलगौदिब्बआशनमावी
एतलिनगहीबमीरविनिगदाभयाहेतारदमुनीधन्नेरमेरोभागेतपाजी
कंडूलागनालेमेरोआप्रमपवित्रभयोभनीएसप्रकारकाचारदमुनी
ओकरुआप्पागदाभया॥ नारदउवाच॥ हेवंगुतीमिहस्तएतिज्यातसप्तप्रकार
आहतदसंगुनलागिरियाछोस्वर्गभोगातिमिहस्ताइभयतवर्थदीनमा
वएसस्थानमावछापउपाछोएताप्रदिष्टुष्टीमागिकनपुनर्वारधीवरहुनुप
नीछुएसनीमित्तितिमिहस्तकाएस्तोभावधातभेरखाछोभनीएम्तरकान
रदमुनीकावाक्यसुतीकनएसवीगलेभन्दोभयोहेतारदमुनीमहादेवकावर
प्रशान्तलेखामीहस्तस्वर्गवासजातभयाकोहीफेरिप्रमोहसेस्थानमाव
नारदउवाच॥ पुष्टीमाजन्मलिनजानुनपन्याकामगरुलाभनीएस
तारदमुनीकोवचनसुतीकनतारदमुनीहस्तिकनआप्पागदाभयाहेपरवर्वा

नरद... को ववन सुनीकन नारद मुनी हगसिकन आगपागदी भया हेमरवव
गुने न्याकारागन्याको हो तताम हा मुखर हे छुस हेवग एस स्थानमा तपस्या
गुने देव भोगमात्र एस स्थानमा छ तपस्यागुनी को स्थान भन्याको ता पृथ्वीमा
पाता हेवग एस स्थानमा गतिमि हस्तले जति सुख भोग पागन्यो ततिके पृथ्वीमा उ
प गउनु पर्ना छ तसनी मित सुखा दुख भन्याको वरोवर छ कसो भन्या कुलाल
को वकि छुपाये भति सुख भोग पागन्यो तति दुख भोग गर्नु पर्छ जति दुख भोग पागन्यो
तति सुख भोग गर्नु छ किंतु कसो भन्या सुख भन्याको हाइ जां छ दुख भन्याको गति
हे छ तसनी मित नानी जनका हि सावले मो तर्गले कन न भोग समा
नारद कन हेवगुती मित नमहा मुखर हा छो नलो जात छ नमेतु छिन्त्यार हे
छ तसनी मित हेवग नीर्वाण गुना को इक्षारग स्वर्ग वास को इक्षानगर स्वर्ग
कस भन्याको केवल नक हो भनी भगिनु भन्याका नारद मुनी कभा आ सुनीकन व
गु जो छु वि ति गदी गयो हे नारद मुखर तपाजी ले कुलो दे दे शमला इ दि
न छु पागनु भयो तपाजी का आगपागे निर्वारा को इक्षारग दुख भगता रस
हामि हलाइ छु न हे नारद मुनी नीर्वाण को विधी कला हो कनील जाम को छे
न एसता प्रकाश को वगुका ववन सुनीकन नारद मुनी ले आगपाग दी भया हेवगुती
पारा का विधी का अर्थ लाह हिमालय पर्वत गे कन हिमालय का श्री गंगा मस
त धिवस्या का छु न रत मुनी भया का ठाउ मा जाउर से प्रस जा धिले नीर्वाण का वि
धी हस्त कस भस्त कन मा छु न एस प्रकार संग आगपाग रिकन नारद मुनी ओ
आश्रम वी घे जादा भया गल्ले दउ वाच हे अगस्त्य मुनी एस धीवर वगु जो छ त
सले नारद मुनी का वाक्य सुनीकन अठारे जना भाइ वा दुलो के सध्या हग रिकन
एक वर्ष को स्वर्ग भोग होडी कन नारद का आगपाग फिक पृथ्वी विषे आइ कन हि
मालय मा हे मर संधिवस्या का स्थान वी घे जादा भया रत रोम भवि जो छु न
व वी मली कन समा धी गरिवस्या का वेला मा इ न छु न राध्या ता हा प
विधिवर हस्त ले भदा भया हे रोम संधिवे शरत पाजी का तमा को छि र
का हामि जो छो अधम जाति भे के न महा पात की भया को रता हा भिलाइ नी
वी र राका मार्गे दि तसन्न भया जा विस भनी सुस्ता मक्षवाल को वाक्य सुनीकन
नारद संधिविपनी हस्त मान गरी आगपाग दी भया हे धीवर ती मि हस्त पत्रे र
को एसो शान कसो गरी ति मि हस्त ले पायो ति मि हस्त जो छो नी वा जान भे के न पनी
हु लो गपा न पाया को रया छो तसनी मित जाहा आव ति मि हस्त लाइ नीर्वाण
का मार्ग देवा डं उ भनी आगपाग दी भया गरोम शो वाच हेवगु इ न हिमालय
पर्वत का ठाउ नाम गन्या को शीघर एक छु एस पर्वत विषे श्री महा देव का शीघे
विनु उत्पन्न भया की अल कन दाना मागन्या की गंगा छु न इ न गी मा मा छान गरी म
हा देव का पुजा गरी महा देव का वा शर मीत्र कन जा पगरी ध्यान गर्नु एसो गरी
ले गरी ति मि हस्त नीर्वाण होला एस प्रकार संग रोम संधिविले आगपाग
न्या को भाया सुनीकन पुन वी र धीवर हस्त ले श्री नी गदी भया हे रोम संधिवि
तपाजी संग एक थो कर्वी ती गदी छु तपाजी ले एस स्थान मा तपस्या गरी वस
को कति वर्ष भयो भनी वि ति गन्या को सुनीकन इ न रोम संधिवि जो छु न हा सि
न आगपाग दी भया हे धीवर मे रा शरि मा ती न को छि प वा सला वरो म छु न तसनी
मी न मे रा मुख जा हेर जति रोम न्या को छु तति व र्थ भयो मे ले तस्यागन्या को

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्चनम् । प्रणम्य त्वत्पदौ पादौ पवित्रं हृदि ध्यायेत् । अथ कथा ।
एषीः उद्भवतः ॥ ३ ॥ ठाडं लाडलु गेडा गापनीन् । इति । मङ्गलम् ।
सर्वांगपालपनगुरुं मुकुन्दलेपनीविशाले चरणात् । ॥ १ ॥ यत्नः
स्निग्धनीलेवनगाडे छेके काभिरखितमनीषेनुतिलसागरपातकल
गदघ्नः आशिस्तकोभयासर्वगपालिपनगुरुप्रदहः एतिगुरिसेवकापवित्रे
गारागुरुं शक्तिनागोडावामगोडामाधीराधि योगेश्वरगुरुं तिनके एजारा
मगुरुं प्रतिगुरिसदकापदि अपगुरुं ताहापदि शीरमा गदामा हातमारु
कोमालालारकन गुप्तकालामले आक्रावलागडमा मावसिएभागुरुं
मालापदि ईश्वरकारजागुरुं पुजागर्भस्थानकाहाभन्या हवयधीवेकाड
मुक्तकमलछन्द रनेकमल कामधुभागयोअपरवात्मापुस्तक सुताना
अक्षर नीर्मलप्रत्यक्रममानसिपुमगुरुं कलाऊयाले गरिउभागुरुं भन्या
गुरुं फदाई मनले भावनागरीचठाडु वडियागुंधपुष्प सुगीधरंदन
ब्रह्मसार सल्लः पीनः दूत आदिसमस्त आकनामनले स्मरणगुरिकन बला
उनु मरमतुकीयेन निहतल कुली छन्द विमनले भावनागरीचठाडु ॥ ६ ॥
मनुमाजतिगुप्ताद्वर मोहनले सरसागरीचठउनु इति सकला ॥ ७ ॥
इत्यादि शरमेन जपनु पंचाक्षरमेव इत्येतोक्तलोकोभन्यः ॥
अयोग्यमुद्राश्च भक्तानुद्धताः संप्रकाशाः केचित्कालाकाड ॥ ८ ॥
गयीं सुखापेक्षादा भद्र योगेश्वरगुरिकन आक्रावदवम नीगजनावम
का नीर्मलप्रत्यक्रममानसिपुमगुरुं इतिगुरिसदकापदि उपेकारगुरुं आपो ईश्वर
हुं गोभावसज्जनिक नरहयासुतागोरीसंत्यासिजीवनमुक्तिप्रदीपतीतु ॥ ९ ॥
उवाच ॥ अगस्त्यः ॥ योगीसंत्यासि कोधर्मसतो अकर्मणिगुरुपदच्छ
नीकुमारहे भक्ताः ॥ राममुनीकन अगस्त्यमुनीले पुनवार सुधाउदाभया ॥
अगत्य उवाच ॥ मेराभनमाअतिआश्रय भयोव्यानीभिन्न
लेभन्यापो सिद्धि लोचन नगरिविशुतीलमात्रलेपनगुरिकसी गरीतु
क भयभाक् इदि देविकादेविनुतान भमाकाउन् दिष्टीकाप्रभावले
आतकोनउवाच भयाकाहृद फेरिकोनकोन योगीमुक्त भयकाहृद सो हुता
नअगस्त्यगुरिशरानभराजावरु सतरहसंग अगस्ता मुनीका हावन मुनीकन
पुमारजो छन्द आगागर्दाभया ॥ स्कंद उवाच ॥ हे अगस्त्य मुनी गो प्राप्तिमहार
गर्भविलासामा महादेवजो छन्द तनवेशंकरको मुर्तिधारणागुरिकन भावन
उवाचा भया ससनवेदे विन अभिनी कलिदन यो भुवि सम्पूर्ण दग
धगरीभक्त ऊरो भयो रयो पृथ्वी समूर्ण समराज जो भयो ससनले
॥ १० ॥ दो भयो सहाइ छिमहादेव कानित्यह्यानगनालाइ सतभूमि मात्र
सुखाले विहारी छानगर्दाभया उइले देखिन् विहारी छान भयाको हो हे
मुनी ॥ नी भाहासक इतीहास छ लोकहि दुहुन प्रयाग की वेवडा जात्रा
इत्येता ॥ इत्येतागन निछुदत जुहू वेद वेदाग आश्रय परम साक्षात् सी ये ती
॥ ११ ॥ राजा यत्तदान पुरापुरी अतिवअभागत विद्येमहाभ डिगरीवरया
करीत ॥ फेरिचार वेदाध्यानले युक्त भयाकावीया रनब्राह्मणकाहोरुस
करीत इनका नाम ति बुदासहुन् रनब्राह्मण शास्त्र कहियुनीनभाभ्याभ
नय यथाक संसारेलागामी दुदज ब्राह्मण भृत्य भयार इकाद्वारा विदुषा राजा
दुदरका न आक्रावला न कलासमस्त छेडी कर आक्राधर्म आयार छोडी
कर संन्याधैकन धनसंपत्ति समस्तका डकलसमस्त गिज्ञ दोभयो मस्त

[illegible]

[illegible]

[illegible]

गिरसप्रकारसीगः यमपुत्रकाभावापुत्रीशीवपुत्रहस्तलेभुदाभ्याः हेयवपुत्र
तपकोकुरगर्तुपदं एस्तलेप्राणघोड यावेलाभाः महादेवकालिगमाले
विभुनीहस्तकाशिराहपतागसे मः मुद्रना जेनेनीस्थापउरो भयोहे
विभुनीधाररागाएिकापुमुहिलाः अहमालेभयापनीअगंम्याग
कोकोपम भयापनीअमक्षभक्षगयेकोमाप उतुहगियाकोपापः वैव
कतादिगयाकोपापभयापनीविभुनीकाप्रभालेगोम्वतुहुहु तसनीगिन
नीस्थापभयोः तानिहस्तकोअधिकारहेन हेयमपुत्र मनीसिबुडतलेभय
तुहरीशिवपुत्रभदबुह हेयपुत्रगुजर श्रीमहोदेवकाभावाभयो तपन नर
हमिहस्तलेकेलाशविबैलेजांनदोः तानिहस्तककिताउभनीएसप्रकारसगशि
ममपुत्रतपन राभयाभनीकानिककुमारले अगस्त्यपुनीप्रतीभावागदी
मम ॥ ११५॥ ॥ कंदपुराणेहीप्रानयंडेअगस्त्यउमारमंवादकुशेश्वरोपाख्या
उदेवसोपायः ॥ ११॥ ॥ स्कंदउवाच ॥ हेअगस्त्यपुनीश्वर्योविद्यदाशप्राप्त
अहं विनाममारागंभेभप्रस्वर्गदेविपुनीमायीवाटकोषि केलासपुरिबीचले
अपाककालामाः देवलोकगीधवंयक्षकिनरहस्तलेठाउंठाउंमापुजागरुंशीव
मः अस्तहस्तलेबवस्तेहुकाः अनेकनृत्यगीतइत्यादीगराकनरीवपुरिबीच
प्याउंराभयाः फेरिदेवलोकसंमुर्गातेधनेरवीधुदाहकोकमाहंभनीभय
नवाहस्तोमहापातकीहोसोपदकनपाउंरोभयोभनीः सप्रकारसगसवैले
धनेरभवाइशोवपुरिवीचलेहृदीयस्त्रसमानभैः कोटिगगसहधुठाउंजगल
शिवपुरिविषभोगगरांतदोः भयाः आहंपादिशीवपुरिविदुप्रछभेकनपृथ्वीमा
ममुद्रिपविषेराभेकन ठीकालपर्यन्तभोगगरिवरिफेरिदर्मसादेवरजहर
भेकनवस्यभयाः हेअगस्त्यपुनीश्वरहदेवकाकपालेरुंवीहतीतशक्षकाप्रभुव
लेःगस्ता नारकिविद्युदासकोताहाममाकाहेश्वर्यकोभोगगर्तपाउंराभयाः अमा
गरिवेवमयमहादेवहस्तलेगीधमयाविभुतीधुनः तीर्थसमुर्गाजगगयाकाक
वीहतीहसगनीकेलेहलकनपाभीहु सुमाविभुतीकामहियामेलेकहमम
अमोकुमारकाभावापुनीपुनवारअगस्त्यपुनीले अग्यागदीभया ॥ अगस्त्यउवाच ॥ हे
तपन नरदत्तपः शीकाववनरुपिअमृतः सुताअमृततपाभीकाप्रशादलेवाररा
पाडापुमाः ॥ ११॥ ॥ त्रिजुदेवकतपनीवितापुनवारतपनीकापुवारहंददेविह
कलकलपवरापेअल्लतनलाइनगराउनुहवस्तेहुगनविभुलोकामदीमामेले
मुर्गातकांभवहृदकोमहिमाकरिप्रशन्नभयाजावस्तेहृदकोसोगरीपुलेगस
कः वयाकोहोः हृदकापुर्तिकाकोहोः हनकापुंरपकसोहोः हृदकाभारगुगाग
केअंकसोगरीतोयासमुर्गाआमगरीप्रराभभयाजावस्तेभनीएमप्रकारसगअग
मपुत्रिकाभावापुनीकनकुमारजोप्रभुआग्यागदीभया ॥ स्कंदउवाच ॥ हेअगस्त्य
तीमरनापुतानासमुर्गावीसारसगकहंहुः सुभुववः हृदकोअहंमहादेवकाउं
हुहुतपनीनतभन्याः मुक्षननाअंतनोभयोहनलाहउंकारगगीनीमिततदा
सुदिगयाकोहोः जेततोमहागताः तनीमात्रउंकारन्याभयां अगानीहोः ॥ ११॥
हवसंभयाः अगानीहस्तनीउंकारहउंकारनानीनितले तदासकतहृदिगयाका
गुह्यअगस्त्यपुनीः हृदकाधारगुगागः कर्मस्वार्तिनः शानध्यानजपपवीवर्त
नजोहोअमोतपनीहृदकालीकनहमलेकहः पाउंनलेमात्रहजारपगगयाका
कोफलवाजीहुपरिहृदकाभालाः लोकहस्तलेहुहफेरनाउंमुनउंनगलेह

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

परमसुखं भोग्यं किं एतन्निर्वाणं विधिपूर्वकं संग्रहं हि दत्तस्य नीतिः
इदं च न्यायान्तरं बभूव हस्तवेलायां सङ्गतं तन्मात्राको हस्ति लब्धः
ते मा इन्द्राक्षरि इजनाभवार्गाह देवलोकात्मस्तलं री भग्नो भवे
इत्युक्तं कीदृशं हलेष्टु गनजाइगीतगाइ अपराहस्तु वदता
वदंतः इत्युक्तं अष्टौ मण्डपं यमरत्ने काइ इन्द्राकाइ अभागा
अप्रवरगं इन्द्राका आह्वये लोकनामित्येकं क्षत्रियसम्पत्
इत्याहुक्तं भावगहि अफार भवान् जादा भसा ॥ स्कंद उवाच ॥ हे अ
नीधी मे सुदेव का कथं वे ॥ इन्द्राका इन्द्रा सद्योजिति परम मुन्दरी स्विषा
न अमरावती जित्वा पुरिका राजा भिकन टभुवन कद्वती पादगहि शानन्द
संगदी एजमान प्रदा भसा आकापदि मोहनान्त अभिनयेवतालै धाहापा
दाभया इत्युक्तं गुरुदेव को तपस्या गरिकन अमरावती का एजम पुक्तं का दीम
धातु भसा भदा युनी कन अभिनोद्धृत तनये पवी मण्ड देव कात पल्का गहं भवे
यन मुखागदी भयाभुनी कुमारले अगस्त्य मुक्ति रि कहे दा भसा ॥ इति श्री
पुराण लिखन मरवगा अगस्त्य पुता संवादः इन्द्राका रोधनाप वदता शो
नः ॥ ६८ ॥ आगस्त्य उवाच ॥ हपावती निन्दन मि भामिकल्का छारा इति न लेके
योग उपदेशाले कन तपस्या गान्को न ठाउ मगे कन तपस्या गान्वा योरभ
गति ता रसग भाग्या गुण सभति एस प्रका का अगस्त्य पुनी का भाषा
कर कुमा रा छरत नलो आग्या गदा भसा ॥ स्कंद उवाच ॥ हे अगस्त्य मुनी श्री
गीता नाम गन्या पु ति दुष्का कामान सि पु न्द्र इन्द्रागीश मुनी का द्वारे अग्नि
ऊर्ध्व इन्द्रा अग्निले भयापयो प्रालरा हा एगरी इन्द्रा मन्द देव स गत पस्या गर् क
एव एजमे कन पूर्व का दी ग्यान भयाभन्दा खवर युनी कन अभिनोद्धृत आका
इन्द्रागीश मुनी भयाका गुण उ मगे कन आका पिता असौ गयी निगदी भसा ॥ ७०
अनन्तर ॥ इति श्री अगिरा पुनी इन्द्रा मन्द देव संगत पस्या गरिकन अमरावती
इन्द्राकाराय रघुर्वदिसा को दिग्पाल भवान् मुदा भया तस नि निन्न भेलो पतीत पस्या
इन्द्रा होपिता को वैराग्य मार्गे तपस्या गुण पनो सो क्रूर आग्या गति प्रशासन
भूमि सरा प्रकार संग अगस्त्य पुत्र अग्निको वाक्छुनी कन भीमी सा मुनी ॥ ७१
आग्या गदी भसा अगीरो वाक्छु ॥ हे पुत्र अग्नि ती प्रातः पूजा गरणी का इन्द्रा
इन्द्रा क हिना ला भगो हिना ला युक्त इन्द्रा ती एकाग्र भ कोण भा इन्द्रा
नगन्य कीवदि प्रश्न पुत्र को संगत भया को ई एस स्थान ना रत्न निरा त
इन्द्रा सीला पीटा इन्द्रा स्थान मगे कन तपस्या गर भती आग्या ॥ ७२ ॥
अभि तात्त आग्या सुनी कन इन्द्रागीश इन्द्रा न पस्या गहं भयानी ॥ ७३ ॥
पूर्व कार दन्ति रा इन्द्रा राका मध्य ना इन्द्रा वाला नदी को प्रसन्न ॥ ७४ ॥
का स्थान मार्गे कन इन्द्रा मन्द देव राता जी भूति धारा गा गरिकन
मिळन पकी प्रभे कन शोन काम उवार गागरी ध्यान गदी जप गदी
आपादि प्रमज्जाना नाम गन्या का शिव वीरो मापी गो कन राव का
बाह एका त गरी न सिद्धन आका इन्द्रा यस मुणा जीति कन तपस्या गदी
इन्द्रा गले एस तरह संगत पस्या गन्या भया दो द्वि ॥ इन्द्रा क व स म
अक्र एना ह एस्तरह संगत पस्या गन्या को हे किकन श्री महादेव जो इन्द्रा
इन्द्रा का भाव ही कन इन्द्रा इन्द्रा दी नानी नीक अ उदा भया कसर हसी

[illegible]

देवतात्वात् उच्यते पूर्वः इति एकाग्रं भक्त्या आग्नेयं देवतादीनां पातं नीतिं भक्त्या
निधीयते पतनो यस्य प्रकारं सैव आग्नेयं गरीकं न पुनर्वा रं केरि आग्नेयं दत्तं न पतति हे अ
ग्नेयं तं निगम्या कास्तौ वृक्षा नाम सप्त राज्ञो जीवाते भक्त्या विधेयं स्वर्गं जयते
गरीकं तस्को मन्त्रः पुनः आयापयति नाशं होला रीयान विधेयं पतति होला अन्तः कास्त
मा अग्निं पुरिषा वास होता भनी एव प्रकारं सैव आग्नेयं गरीकं न श्री महादेव मोक्ष
द भक्त्या ध्यातुं दत्तं भया आह पति यो वृत्तान्त सप्तत देवले कले धातु पादकनः इ
ति अग्नेयं गरीकं देवलोकरः वृक्षस्य ती आदिना एव गन्धर्विलोक सप्तत आग्नेयं सप्तत
तीर्थं विधेयं अग्निं ला इत्यं कं क रत्न शिला माराधिकनः प्रत्यात्वा लाति होला कास्त
तं सुवर्णं कलं रं माराधीत्याह कनः अग्निं ला इति अभिशेचनं कनः स्वाहा नाम गन्ध
र्विलोकं न्यातुं न्यातुं न्यातुं कनः अनेकं ती गतं गरी देव उडुभि वाद्यं वजा इत्यं अ मरा
हस्तं पुण्यं वृद्धिं गरी इति दिग्पालं इदं भया ॥ स्कंद उवाच ॥ हे अगस्त्य पुनी महा
देव कास्त पाले अग्निं ला इति दिग्पालं पादकनः अनेकं देव्यं ले गुक्तं मे कनः अग्नेयं
संगतं सदा भया भनी हे अगस्त्य पुनी हि बाल यक्षत्रको प्रभावः सुतो छः जीवाते इ
त्यं ज्वाला तिथं नामैकं कनः द्या गन्धर्विलोकं तीर्थं शरीरं मानी स्याप मे कनः अग्निं हो मा
दयं यज्ञं गन्धर्विलोकं पादकनः अग्नेयं कालं विधेयं अग्निं पुरि विधेयं वास होता भनी
हे अगस्त्य पुनी अग्निं ले महादेव कान्त पस्या गरीकं न दिग्पालं भया कास्तं नाना सु
तं भक्त्या यमराजं ले पनीतं पस्या गरीकं नीतिं नाना दत्तं भया भनी सप्त प्रकारं स
प्तत पालं ले अगस्त्य पुनी प्रतिकरं दत्तं भया ॥ ॥ इति श्री स्कंद पुराणे हिमवत पर्व
प्रथमोऽध्यायः समाप्तः अग्निं देव रं पालं अभिशेचनं नाम सप्तदशोऽध्यायः ॥ ॥

हे पार्षति नन्दन तपस्विका रूपत्वे इन्दुले अग्निं ले तपस्या गरी दिग्पालं
पुनी सकृन् यमराजं ले कस्तं रं संगतं पस्या गन्धर्विलोकं अग्नेयं
गन्धर्विलोकं सैव सप्त प्रकारं संग अगस्त्य पुनी लेवी तिगन्धर्विलोकं भया
पुनी दत्तं भया ॥ स्कंद उवाच ॥ हे अगस्त्य पुनी स्तुत्यं का पुत्रं तित्तं ज
नितं भया भक्त्या यमराजं ले पनीतं पस्या गरीकं नीतिं नाना दत्तं भया भनी सप्त प्रकारं स
प्तत पालं ले अगस्त्य पुनी प्रतिकरं दत्तं भया ॥ ॥ इति श्री स्कंद पुराणे हिमवत पर्व
प्रथमोऽध्यायः समाप्तः अग्निं देव रं पालं अभिशेचनं नाम सप्तदशोऽध्यायः ॥ ॥

पदं शब्दं प्रशन्नं भया जातं तपः अगस्त्य पुनी देवता भयो तस्कारं एव भया इ
ता तपस्विका आग्नेयं नाम जालं देव तपस्विका आग्नेयं भया जातं तपः
इत्यं प्रकारं संगतं नले आग्नेयं पितृ स्तुत्यं संगतिं गरी भया दत्तं रं ह
ग अग्नेयं पुत्रं भया का वाक्यं सुती कन श्री स्तुत्यं जो इत्यं आग्नेयं गरी भया श्री स्तु
त्यं उवाच ॥ हे पुत्र यमराजं भया दत्तं तित्ति हो ती नीतिं दुला इत्यागं को हे पुत्र यम
अग्निं ले पनी आग्नेयं पितृ अग्निं गरी संगतं पद्या विधेयं विधेयं

उदावग हे पुत्र यम धन धनतिनिहो तो नीले डुलो इदाग को हे पुत्र यम
अगिले पती आकाशिता श्री गिरा मुनी संग उपदेश लिखन हिमालय मागे
कनकुलोत पसागरी आने कोरा कादिग पात भया हिमालय पर्वत मागे
कनकुला कुरा नामग न्याका तीर्थ एक वं नील कण्ठ देवि नृप वं इन उमा कुल
धिमर दिगमासि कुट नामग न्याको पर्वत एक वं हिमालय का मागे
एसमि कुट पर्वत देवि नृगंगा एखात मे आया की वं इन गंगा को उमा कु
सुड तीर्थ को संगम भया का वं एस स्थान मासि नामग न्याका एखात एक वं
ससमग को नामग न्यागार हे पुत्र जो नीले ललाट पनी एसमि कुट मागे आता
श्री श्री महादेव को नम्र नामग न्याको तस्कन मद हल्ले नम्र मागे होला एसल सन ना
मिनेजा उभा एस प्रकार संग आकाशिता श्री सूर्य का आम्पा मुनी कन कुल
नेदेश तस्कन भया भनी अत्यन्त बुद्धि भेकन आकाशिता श्री सूर्य का कन गारा
भया ही पदात पात्री जो सो समस्त आगिका बहु भे विराजमान भया का फेरि सम
का शांति भया का एसमात पाश्चात्तरागार वन्दना कोटि २ नमस्कार करी जलत
याने भया दिन एत प्रमात गुत्पा भया भया का वं हि स्थिती संहार का कती भया का
नम्र आगिला इदाग नामग न्याका एसमात पात्री कवर रागार वन्दना मे एकोटि २ नम
मा हे पितात पात्री लो ला इकुलो उपदेश प्रसन्न गर्त भयो अवमजी कुभनी आका
का संग विदा भेकन इय जो कुद सीरा तर पगरी हिमालय मागे कन उमा कुल सिद्ध
कुल वं आया को गंगा का संगम भया का स्थान मा पुगता भया ताहाती सिद्धा
सिकन इन संगम मा आत गरी सर्वांगमा विभूती ले पत गरी ठाडं २ मा रक्षा
लाविकन एसमि कुट व विवे अने कदात पुण्यगदी भया एतिगरी सका पछि
कुल सिद्ध कुल वं हिमालय का श्री विवे माधी के कदा भया कता सिद्ध
कुल वं आने करत मनी मानी कले संयुक्त भया का फेरि सिद्ध जल प्रगट भेर या को
अने वं वजन हल्ले आश्रय गरी त्या को अने कदेव न विबुध विमुनी गगन लेत पसा
गरी तका कुल हिमाले परिपूर्ण भया का एसमि कुट पर्वत विवे माधी जादा भ
वस रक्षान मा वं हि गगन ते इय भे आका इदय मा विराजमान भया का प्यो
प्रता पशिव का मंत्र ध्यान गदी भया एतिगरी सका पछि वैदुष्य मणी का शिव ल
गगन मा गी माती क्या दिले आका हान ले जल हरी वना इ न सिद्ध लिंग स्था
गड का जल तपा एक व इत लिंग मा अभिशेय गरी विभूती ले लेय का गरी धोर
संग नृजा गरी तपस्या गदी भया ने वले ना सिका को भय भोग मा हेरि दिवस
गगन गरी तपस्या गदी भया आहा पछि महादेव जो कुल इन यम का तपस्वालय
वर दिनाती मिनी वैदु मणी का शिव लिंग देधि वं प्रगट वं दभया कता वर व
व्यस्य भया का आका ते जल गरी दश दिशा प्रकाश गरी या का उपादे विले
कुल प्रगट भया का देवता मा यम जो कुल सो दलो अत्यन्त हर्ष मारण गरी गत जो
मस्कार गरी दण्ड वं गगन गरी स्तुती गदी भया हे परमेश्वर श्री महादेव तपा
का दण्ड मा कोटि २ नमस्कार तपा जी कला हो भया तनु वन का स्वामी भे विराजमान भ
यु कान्ते लोचन भे दण्ड का जगरी कुल उबर वं गगन यमाला धारण गरी भया का
धया जो ना नमस्कार हे परमेश्वर तपा जो को संसार तारक स्वरूप भया का अर्ध वं
श्री मा धारण गरी भया का फेरि जरा का मुकुट तपा जी का कन धारण गरी लोचन को
गगन धर भनी नाम भया का वं इ श्री मा रक्षे ना ले वं शो यर भनी नाम भया का ए
स्मात पात्री ला इ नमस्कार हे परमेश्वर फेरि तपा जी कला भया जगत् संसार का पिता गु
भया का वला का पिता गुह पती नृपाजी हे आदि श्री यम न्याको पनी तपा जी हो वा
भक्ति मा गत विने भया का वं हि स्थिती संहार का कती भया का

गुल
गज
गोम
गोम
गोम

स्नातपात्रीलाइ नमस्कार हे परमेश्वर फेरित पात्री कलाभन्या जगत्संसार कापितागु
रुभयाका दयाका पितागुरु पतीत पात्री हो आदि अर्थ भन्या को पनीत पात्री हो वा
भुकिनागर व विषे धारणागरी पात्री को ले व छि विहतीले लेपनगरी उमादेविकन
अर्थगिमाग विदीएज भन भन्या को हे स्नातपात्रीलाइ नमस्कार हे परमेश्वर तपाका
स्तुती भनलो नीगति लेक हात कग र म कुला मजो छुत पात्री का अपरगधि महामुख
गगत ये मेरा भयाध दाना ए प्रशन्न भय तावस ए सप्रकार संग यमलेस्तनी
गन्या को भयासनी कव कपाल माली महादेव जो छुत अपन हर्ष मानगरी आग्या
गदी भया हेय म तीघात पस्याले म पुति भजा म संग वर माग हेय म तीघात पस्यापी
डोरी भयो म स्वर पिके न धे ट भजा तस नीमि का तपस्या पीर गुले मलाइ प्रहृष्ट
गरी ल्यायो भवती घाश सापि कीर म स ड हिले उ हेय म भनी एस प्रकार संग म हारे व
का आग्या सुनी कव यम जो छुत तनले बार बार नमस्कार गरी वडा हव ले संतु क भे वि
ने गदी भया हे पर तपाइ संग वर दान अके छोक नाग दीन असो गरी अग्नि लाइ दिग्पा
लागरी पितु भयो तसो गरी मलाइ पनी एका तीर को दीग्पाल गरी प्रशन्न भन्या जाव
त भनी एस प्रकार संग यमले वी तिगन्या की भायासनी कन श्री महादेव ले आग्या
मदी भया हेय म तीघात पस्याले दिग्पाल पदवी तीमि लाइ पनी दिजा दसि गदी
को दिग्पाल तिमी भयो एकाना प्रयम दिग्पती वही एको नाव होला फेरि मुगु
॥५॥ पाप पुण्य का बाधारणा को अधिक प्रतिनी लाइ भयो हेय म राजती नी विजय
उसका पाप पुण्य का वीचार गरी जो न जो न पापि छुत गुन वा न के भय
जो न शिव भक्त भयाका छुत विजु छुत भयाका छुत इति ए म जे नी प्र
कार छे उजाल समस्त ती नी ले विचार गनु पद छ पाप पुण्य का वीचार
मलाइ दाय के तति भयाको दोष काल लाइ होला हेय म राज एस नी दि
॥६॥ तिले रात्रो गरी विचार गु जो ना का शरिर मा विभुती धारणा गन्या को हे
ला सरिर मा सुख होला जो ना का शरिर मा तुल सि माला छि तला ह
॥७॥ १२ पाप गन्या को भयापनी पंच महापात कि भयाको भयापनी ते सा
पुण्यो धापिले हेतु छुत सस्ता का नुरव हेयो भन्या मेरे हात ले ग ए तो प्राने व छि
॥८॥ आहा उजाल कने लाइ पनी ती मीले न होउत हेय म राज यो द र पाश मे
॥९॥ महादेव ले यम कन सो पिकन पुन वार आग्या गदी भया हेय म राज जो न
॥१०॥ पुण्यो छुत एला ए स पाश ले जा भी द राइ ले प्रहारि मी सनागु हेय म
॥११॥ पाया म पिजाल एस जग मा समुग्रा आगि पनी छे एला ए सका पाप पुण्य
॥१२॥ मारी वार गरी स्वर्ग भाग गरतु नु पनी लाइ स्वर्ग भोग गरतु नर्क भोग गरतु
॥१३॥ इ न र क भोग गरतु न जो न मेरा माया कन जीत को होला तलाले भन्या
॥१४॥ मुरव हेन्या पनी छे न एस नी मि पाप पुण्य का अधिकार ती नी लाइ भयो
॥१५॥ यम राज फेरि अको वर शन पनी दी दु क भन्या देव लोक का पितृ देव ताति नी भ
॥१६॥ या पितृ देव का पितृ पनी ति मि लाइ भयो भनी एस प्रकार संग यम लाइ वर दान
दिकन परमेश्वर महादेव जो छुत अन ध्यान जुदा भया ॥ स्कीद उवाच ॥ हे अगस्त्य मुनी
आहा पद्मि यम लक्ष्मी दक्षिण दिशा का अधिकार दिग्पाल भया भनी प्रलाते बवर
पाया वला जो छुत अपन हर्ष मान गरी सव र देवता साध्य माली कन यम राज वला
का त्याग मागे के न यम राज लो र सिद्ध दा नाराधि उना कुराड का जल ल्याइ कन प्रलाते
दक्षिण दिशा का दिग्पाल को अभिशे व गदी भया आहा देव लोक हस्त ले पनी अने क न
गत्व म ति गरी अने क देव उ बु भिवाध व जाइ कन अपरा हस्त ले अने के पुष्य दृष्टि गदी भ
या ता हा प छि प्रला जो छुत तन ले यम राज लाइ दक्षिण दिशा मा डग कि गी कन एस या
नमा स्याप ना गरी प्रला दि देव लोक हस्त आकाश स्यात मा जादा भया ॥ स्कीद उवाच ॥ हे अ
गस्त्य मुनी सिद्ध दा विषे यम राज लाइ अभिशे व दिया का हस्त ले यम ती र्ध भनी प्र

याताहापदिप्रह्लादादित्तनलेयमराजलाइदक्षिरादीशः प्राडाकिर्गिकव. एतथा
नमाः स्यापनागरीयुवादिदेवलोकरु आक्राः स्यातमात्रादाभयाः ॥ कीदउवाच ॥ नेत्र
गस्तपुत्रा नीः सिद्धाविद्येयमराजलाइ अभिशेयदियाकाउनालेयमतीर्थमनीप्र
ख्यातभयाकोहो जोनालेइतयमतीर्थमाछानगरीसिद्धकुटपर्वतवीथेनाथीगे. म
हादेवकादर्शवर्तन. ताकासमुद्रपापदेधिनुमुक्तनेकतस्वर्गलोकविधेवाशहोला.
हेअगस्त्यपुनीयमराजलेनहाकीतपस्यागरीकनदक्षिरादिशाकादिगण लभयाभ
नेत्रेअतपलेखवरपायार. हिमालयपर्वतमाजीछुसि. तयारभयाभनीकुमारलेअ
गस्त्यपुनीप्रतीआग्यागदीभया ॥ ॥ इतीश्वरकदरुणोहिमवततरोडेअगस्त्यकु
मारसीवादे. यममद्यदीरपाल अभिशेयोनाम असुदशो व्यासः ॥ १७ ॥ अगस्त्यपु
नी ॥ हेअगस्त्यपुनी दत्तनेत्रातपभयाकोहो रासुसन्ततीवाजातभयाकोहो लोकसोग
रीतपस्यागयो. कसुसंगउपदेशलियोकसुठाउमागेकनतपस्यागयो. यत्तानेरा
सदमानहावीस्तपभयोतसनीमिन. योवृतात्समस्तसामोगरीकहिप्रसन्नभयाजा
वन्तभनीएसप्रकारसंग. अगस्त्यपुनीकाभायासुनिकनकुमारजोछुन आग्यागुन
॥ ॥ कीदउवाच ॥ हेअगस्त्यपुनी तितेअतपभयाकाकस्यपञ्चाधिकापुत्रदुर्दि
गर्भदेधिरुभयाका. इनेअतपलेभयापनी. यमराजलेआक्रापिताप्रीधय
पियागरीकनदक्षिरादिगणलभयाभनी. खवरसुन्यार. आक्रापिताही
उभनीकस्यपुनीभयाकाठाउमागेकन. कस्यपकार. मदीतीछुवेकार
वतगरीवितिगदीभया. हेपितभिरावितीसुनुहुवस. यमलेहिमाला
गरीजमालाइआक्रापितासूर्यसीगगेकन. पिताकाउपदेशजसोतपर
मनलेहोला. सीतहृगराइवरदातपाइदक्षिरादीशाकोव. गपालभेवस्याका
पिता. तपदी. तपाइकाउपवेशपाइ. तपस्यागरीकोइक्षाभयो. तसनीमिन. तप
भयो. तस्यानमागेतपस्यागयोहो. योमेरावितीसुनीमिराउपरदयाप्रसन्नभया
परा. धाराउपवेशप्रसन्नभयाजसुसभनीएसप्रकारसंगआक्रापुत्रनेअतप
पालीकन. कस्यपञ्चाधिलेआग्यागदीभया ॥ कस्यपउवाच ॥ हेपुत्रनेअतप. ती
नेतपस्यागरीकोइक्षाभयादिबिदमैविसेवरमाकेछानगरी. विभूतिलेसर्व
पुननरीठाउरमाइइसकोमालागरी. शिवका. मंत्रलेदपगरीब्रह्मशेखरनाम.
हिमालयवीथेगेकनतपस्यागर. भनीएसप्रकारसंगआक्रापिता
भायासुनिकन. नअतपलाछुन पुनगरीवितिगदीभया. ॥ नेअतपउवाच ॥ हेपि
ता. ग्यामीजोछोवडाधनेहो. सम्पूर्णदेवलोक असुरलोककापीताभकाभूत
शिववतमानजाभयाका. एतातपात्रीकावरगावृन्दमानेगेनकार. हो
तामानसरोवरभयाकोकस्लेवनायाकोहो. निमानसरोवरकामहिमाकलोहो. ए
सस्यानमाककस्तपस्यागयाकोनकोनउप्रभयाकाछुन. हेपीतायोसम्पूर्ण
मलाइउपदेशादिप्रसन्नभयाजावस. भनीआक्रापुत्र. नेअतपकावातासुनीकन.
कस्यपञ्चाधिलेआग्यागदीभया ॥ कस्यपउवाच ॥ हेपुत्रनेअतप. हिमातस
तनरजोछुनब्रह्मालेहोहिगरीकाठुनीमिनतपस्यागदीभया. ताहापदिहिमाला
यकामधनाआइकन. मनलेहृदिगरीकन. सरोवरमुकवतउंदाभया. इसरोवर
कमेताइदुभया. महावीलारभयाका. निर्मलजललेसंयुक्तभयाका. मनलेहृ
दिगरीतयारभयाकानीमिन. मानसरोवरभवीतनकोनामराधदाभया. इनस
रोवरका. लमाइगजकोप्रमानकतिहोभया. गुरुसयवोविसयोजनकाछुन. ए
ससरोवरमाजलमीतुलेसंयुक्तभयाकाछुन. फेरीअनेकतरहकाकमलप्रकाशमा
नभप्रकाश. सहस्रदलकमल. सतपत्रकमल. उत्पल. रक्तोत्पल. नीलोत्पलइत्यादी
अकारमानभे. अतिसोभायमानभयाका. एसपञ्चउत्पलमा. भया. भयागरीहले

सत्यानमाककस्तपस्यागत्याकोनिकानउधारभयाकाछन् हपीतायासमुप
मकाइउपदेशादिप्रसन्नभयाजावस भनीआक्रामिन् नैतत्पकावातामुदीकन
कस्यमन्त्रमिजोछन् आम्पागदाभया ॥ कश्यपउवाच ॥ हेपुत्रनेस्तप्यतिमातस
रनरजोछन्ब्रह्मालेष्टुहिगर्भाकाछन्नीमित्ततपस्यागदीभयाताहोपदिहिताल
यकामधमभाआइकन मनलेष्टुहिगरीकन सरोवरएकवतउंदाभया इसरोवर
कसताछुनभया महावीस्तारभयाका नीर्मलजललेसंयुक्तभयाका मनलेष्टु
हिगरीतयारभयाकानीमीन मानसरोवरभनीतनकोनामराघदाभया इस
रोवरका लमाइगजकोप्रमानकतिहोभन्दा एकसयबोविसयोजनकाछुनए
ससरोवरगजलमीतुलेसंयुक्तभयाकाछुन फेरीअनेकतरहकाकमलप्रकाशमा
नभप्राप्तछुनसहस्रदलकमल सतपत्रकमल उत्पल रक्तोत्पल नीलोत्पल इत्यादी
प्रकाशमानभे अतिसोभायमानभयाका एसपद्म उत्पलमधुमधुगिहसले
हीजायमानगरिमधुपानगरि अतिसुन्दरगरीकराइसाकाछुन फेरीइन
लकछुनीधवा लुडोइर कहिनालयमायात्रभयाकोछुन एतामानसरोवर ॥ ३ ॥
गोहरहरीक वृक्षागोइर ॥ ४ ॥ केन अवहनसरोवरकनमहादीर्घतुल्या
उंदाभनी मनलेवीतरइकनगीगाआराधनागदीभया हेपरमेश्वरीगीगामा ॥ ५ ॥
गङ्गातीतफाजी आउनुभने मेलवनाइगद्याकोसरोवर मित्रप्रवेशगरी योसरोवर
मित्रगुराइप्रशन्नभयाजावसन्नगी एसप्रकारसंग गीगाकनआराधनागरीक
भाजोछुन गीगानुकिस्वर्गदेखिदत्तलज्जाउताकातिमिन्न एसस्थानमावा
नसस्यागदीभया कतिकयसम्मतस्यागत्याभन्या दिव्यहजावर्चपश्यत तस्या
गदीमातपस्यालेसंतोषभेकन गीगजजोछुनमहावेगतिगरीकन स्वर्गदेखि
कतवात्रवाहुदिभइर इतसरवरोवरमाभीत्रप्रवेशगदीभइर आहाब्रह्माले
पनी गीगादेवितलआयाकीठे गतमा मनमाधुसिभेकन अबभन्याइसरोवरपवी
कन ॥ ६ ॥ फिदानीअमलहर्षमानभेकन अपाजोछुनतनगेगागादेवीकास्तोत्र
दीभया हेपरमेश्वरीगंगे तपात्रीकावरणमाकोटि नमस्कार तपात्रीकस्त्री
या जग संसारकाअनेकलोकलाइ उधारगन्याभयाकी महादेवकाशीरविध
मन्त्र हेराजगानधन्याभयाकी जगतसंसारकामाताभयाकी एस्तातपात्री
मउपर वसनभेरुपागरीमैलेवनायाकोसरोवर पवित्रगराइगततिर्छगरी
सन्नभयाजावस तपाइकावरणारहुंदमा मेरोकोटि नमस्कार भति एसप्रकार
संग ॥ ७ ॥ केन पुनवार वृक्षाजोछुन हविमानभेकन वारप्रकारसंग एसा
गदीमा गीगादीभया कोनकोनभन्या मनुष्यवृक्षद्यास फलफुल इत्यादिष्टुहिग
नतपाइदिहातजडाअभिष्टुहिगदीभया एसतरहसंगष्टुहिगरीकन फेरी
एसस्थानमदत्तपस्यागदीभया आतापहि वृक्षाकामानसिपुत्र अभिहत्तले
लंभनइरागन्याकोदेखिकन इतजडाहिहत्तलेपनी एरोस्थानमा जुदाइबसि
मगाउंदाभया सातजनासानेदाउंमानमिकन सातेशिबलिगस्याप्रनेगरी
अधनागरी तपस्यागदीभया ताहोपदि ॥ ८ ॥ सातजनपुत्रासिहत्तलेतपस्या
माहोदेखिकनगीगजिलाइमहाभयउत्पन्नहुंदाभया अबमलेकसेमल
एसागले तपस्यागत्याकोदाउंमात्रगाइभया उततातजलाइआपदीयाछुन
नीमोन अनर्थभसे भनीमनलेवीयागरी गंगानीजोछुनसावधारभेकन
लीलेतपस्यागत्याकास्थानमाएके फेर प्रवाहभेजादिभइर एसप्रकारसंग गीगा
गद्याकीदेखिकन सातेजनाअभिहर्षमानभेकन हृदयवीर आनन्दगरी इतहत्त
गंगानिकानकतिगदीभया हेपरमेश्वरी गंगे अन्त्यस्तपत्रीहामिसाततनालेतपस्या
गत्याकास्थानमा हानिहत्तले इध्यानहयागरी सातेजनालाइवीवरदेखिक

गंगाजिकालकलिगादीमयः हेपरमेष्ठीरिगं देवदत्तपञ्जीहणिसाततनालेतपस्या
गन्धाकास्थाभाहाणिहस्तकनल्लेख्यमानुष्यागरिः सातेजनानालाष्टीवरदेधिक
कलातभूराभैहामिहउपरप्रसन्नकुठभयोः सलातवालीकाचराकनलमासाछंगप्र
रामः हेपरमेष्ठीरिः तपात्रिलेमहाशपात्कीहस्तलाइड्रारगरीप्रसन्नभयाजावसः समप्र
कारसंगसातेजनान्नमिहलेगंगामिसंगविनिगिरिआनन्दपर्वककेरीएसेस्थानमातर
व्यापारिवस्दाभयाः भाहापतिगोजेभनेरगतधिकांतपस्याकाजभावलेवडावेगसंसात
धाराभैगीगावर्दीभरुः योदेविककप्रज्ञापनीवजेतेइतिभैकनः पुनवीरुसेस्वानमा
मपस्यागदीभयाः भाहापतिपरमेष्ठीरिः श्रीमहादेवजोबुद्धनलेपनीप्राप्तलेवनायाक्रिया
तेसरोवरकनदधिकनअत्यन्तयुसिमश्कनः हससरोवरमाजलच्छागतीकोरछाभनेर
परमेष्ठीरिमहादेवजोबुद्धनलेपनीकास्तुभैकनः कनः ससरोवरवीथे प्रवेशगरीकनः जल
लोलेयुसिमसीयेलजाभयमईवराजहस्तकाः रीकलोद्धभयाः स्वेतवर्णाः लानधुनुता
करचरणभन्यापितदराभयाकोः श्रुतिमुद्रस्वरूपभयाकोः स्वरभन्याः अतीमधुरनी
संगकराकनः तीर्मलजलपानीगरीकनः कमलकाकेशरगानाआहारगं
भुभनिआनन्दसंगयेलदाभयाः सुतरहगभलदेवराजहंसभैकनः मानसरवरमा
भानभयाकादेधिकनः पार्वतिदेवीजोबुद्धनसोपनीः हैमिनीकास्तुधाररागरी
सरोवरवीथेप्रवेशगरीनेल्दीभरुः समप्रकारसंगः इडुइराजहंसकनप्रज्ञातदेव
मभयः इहाविचारगरीभन्याभयाः इडुइराजहंसहंसीतीहससरोवरमाः येतीरखाको
मिअहनः स्वयंभयोः पंडिभयास्तोसाप्रदृग्ग्याधीपिनः इनहस्तपदिहोइनकमहादेव
पार्वतिहुनः पार्वतीनभैमहादेवस्कलेवसननः तमनीमिताइनहंसहंसिनी अवश्यमेव
महादेवपार्वतीहुनः मनीठहन्पाइकनताहबुद्धजोबुद्धअननयुसिभैकनभन्याभयाः ला
मभयोः भनेमेलेवनायाकोसरोवरमागीगाजीलेप्रवेशगनीलेअत्यन्तपवीभन्या
एसेसरोवीथेः महादेवपार्वतीः वीरजमानगराअडंदाभयाः समनीमितले जोर
लक्ष्मीधंदाभयाः भनीमनलेभावनागरीः अत्यन्तयुसिभैकनः नपस्याहोडीकनः रा
नपधाररागरीः महादेवसंगैसिकनयेलदाभयाः समप्रकारसंगः महादेवपार्व
तीनजनाराजहंसभैकनयेलनलग्नाकादेवतायाः वीधुकामनभापनीइहं
सभैकनः एससरोवरवीथेप्रवेशगरीकनः महादेवदेखिन्ः नीर्विशेषभैकनः
इहंभकिठारापूनसजीत्यागरीः समप्रकारसंगः पार्वतिः महादेवउहाकोर
नाराजहंसभैकनयेलनलग्नाकाहेरिकनः धर्मकापनीराजहंसजनाको
नमुरीद्येतवर्गगराहसजहंसहंसकास्तुभैकनः एससरोवरवीथेप्रवेशगरी
संगपावननाराजहंसः एससरोवरमाप्रदाः महादेवलेवीवारागदीः उलाव
इसाधीभयाभनीठानीः वडाहंसमानभैकनः एससरोवरकनछोडनाजोइहा
पुनवीरः एससरोवरकाकमनकोः गाताः केशरः कोजालरागरीकनः जलमंद
हस्तदियहजारवसंभुनेः फोलेरहदाभयाः भाहापतिप्रज्ञाजोबुद्धनलेमानसरोवरदेधिन्ः वारीगदिरः एकधा
इहंनलेवकधागवीकासंदाभयाः योहेरीकनमहादेवलपनीः धुनुनालेफारीकनः दक्षि
गापटिएकधारानीकालदाभयाः योहेरीकनवीधुलेपनीउरपदिः धुनुनालेवरीकन
धारमस्कनीकालदाभयाः योहेरीकनः धर्मलेपनीः पश्चिमपः हेधारएकधुनुनालेपः रि
गीकालदाभयाः भाहापतिप्रज्ञाजोबुद्धनलेमानसरोवरदेधिन्ः वारीगदिरः एकधा
रागीसक्कीवडावेगसंगः बलाकोदेवतामाः अतिहंसमानगरीकनः इवप्रह्मालेइनधा
मळाइवरदानदिङ्गाकोनीमिनः भाऊलेगीप्रत्याकोधारामागेकनः आगपागदीराह
अलधाराः मेलेनीकास्थाकानीमिदलेनीवामाः प्रह्मपुत्रभयोः तीमीकोइहोमेरापुत्र

एकी सुख की वशियोग संग बल को देवता मा अति हर्ष मान गरीकन इव प्रजाले इव धा
गला इव दान दिङ्ग को नीविने भा प्रलेगी प्रत्या को धारा मा गैकन आग्यागदी भया
अल धारा नेले नीका स्वाका नीमिने नीवा नाम प्रल पुत्र भयो तीमी जो छो मेरा पुत्र
हो जो नाले हवत पनी तस्ती आई धारा गरी तस्ती धन अर्थ काम मो ध वरै पदार्थ
दीन सक्या भया भनी वरदान की कन दक्षिण दि राखी भद्रा देव ले नीका स्वाका धारा मा
गुन आग्यागदी भया हेतल धारा ती लाना सत प्रभयो वेना गदी येति पी गैमा भै
रु रिता क सत कुल कय बुद्धा रग हो सजा सुता वरदान दी कन फरे उक्त पदिति
हले नीका स्वाका धारा मा गैकन आग्यागदी भया हेतल धारा विद्या नाम विम
नो भनी प्रख्यात नाला जोता आगिल विवि विद्या आग्यागदी तस कन वेद
वास दिन सजा भनी वरदान दी कन पश्चि न दि रामा धर्म ले नीका स्वाका धारा मा
गैकन आग्यागदी भया हेतल धारा ती वाताम धर्म न दि भनी प्रख्यात होला जो
नाले तिमी विद्या न गरी कन तस्का को टि पाप भया प्रती सुन भै कन पुन वी
पाता का दुदधानु पनी कन परा प्रभयो नाला फरे नाला गतु कले मा
भरो वरजा उभनी मनले मन्त्र नीत उरत पनी नीस पाप तस्का हवत गत न गति
जाइत त्यो मनुष्य का वल पु रीमा प्रस हवत जो नाले हवत पनी इव मान सरोवर
एक विदु मात्र करा मारा घोस्त हवत वारा सिला व पो ज नदी नीव वा
इव एस प्रकार संग बला दे वरदान दि था का कन भनी कस्य मन्त्रा धिले ते नाल
भनी आग्यागदी भया कस्य प उवावा हे पुत्र नै मन्त्र एस सरोवर का सानि गी
विद्या एक भना वा स गरी इत्या को धीया कस्तो व्याधा भया निवा जंतु पाहि
नया गी मीला हार गरी वन मात गन्या को धीया जोहि एक दीन मा एस व
ताम तरो वी कोहि मी सन जे उ मास का दस नीका दिन मा यो मा सरो
ताम गदाम यार एस सरोवर मा अनेक रज हिस कव देय दो भयो एस व
दे मा कन प्रभयो वे भया सवेला मारा ज हिस कव दो भयो सो देखि कन हवत
नव मा रज हिस कव दो भयो भनी ठानी एस मन्त्र सरोवर निव पति
गति सरोवर दो भया तस्वेला मारा ज हिस पाउ उरत कन भहा कन
वर देवि न मा धी आइतु हवत सवेला मा सुल व्या धाला इव कन
गदाम सव न सकि एस व्या धाले प्रा शा होइ दो भयो हेने सत सु
गि भनी नै वे स गत ले एस व्या धा का शरीर मा नी व्याप भे दु दो भयो
सि व लोक य विदु नी नात व्याह एस व्या धाला रवी मान मा रा गी
ताम जे न मा दा भया र जो व्या धा विदु री मा दश कल्प पर्थ सु स भोग
इव कन एकी विम भे भे कन राजा दी भयो दसे विप का राजा भे कन वर
न मा निमान सरोवर का एलो प्रभाव बु भा हा पदि देव लोक हवत पनी दो
भयो को देवता मा अनेक लोक अवि लोक गुह्य गता गैव क सि
प स पु री आइतु हवत क रूप लोक एस मान सरोवर दीयेत पसा गर
दा भयो जसा पि पय न एस प्रकार वर सा का दु हे पुत्र नै जत कन स
न मा जो हो स स्या न मा त पस्या गी कन जाउ हवत ना मा भूत नार म हव
सत भे कन तीयो देव वरदान प्रह पुन्या कन भनी एस प्रकार को वेता क्र भाषा
सुन कन ने जत गो दन अना क म न मा हवत न गरी कन आक्रो पीता क र प का
गता पाद रज र कन द द ली कन इने जत नो कन मा व सरोवर नी प्रा प्रद भया
त मा व सरोवर दि वे सान गति क सव गि वी भूति ले ले पता भूति कन ० ० ०
सरोवर मा दा धारा गरी महा विदु भे कन शिव का मन्त्रा पग सा भया र

[illegible]

नारदमुनीकाभावासुनीकनवरुणजोछुवोतीगदीभयाहेनारदमुनीधर
कहममरुमनमापुडोवीस्यसुनोभयोअस्यजोछुगधसकाजातसुतारासस
लेमहादेवजाइकसोगरीप्रशान्नगरासोहसकारणामाभरामनमाआश्रयलागी
रहेछुभनीससप्रकारकोवरुणकाभावासुनीकननारदमुनीलेआग्यागदीभयाहे
रामनमरुमहादेवजोछुवभक्तकावसभयाकरउनुकाभक्तिपस्यागनीलेन
पुनउदायकाछुतपस्यालेगरीधर्मकोप्राप्तिउछुतपस्यालेगरीहेस्वर्गप्राप्ति
पस्यालेस्वर्गविषेवाशगरीपात्रीछुजानपाउनुशम्यजुनुभयाकोपनी
स्यागरीलेपात्रीछुएकहुनदेवताहुनुभयाकोपनीतस्यागनेछुकेरील
जोप्राप्तिगरीउनालाइपनीतपस्याउछुपरमपदप्राप्तउछुअभयस्वर्गपाउउ
होगामोसुभाउनुभयाकोपनीतपस्यागरीलेछुतमकारणलेहेवरुणअ
वतोविदेपनीपरमेष्ठकातपस्यागरीकनपक्षिमनाराकोदेगपालहुनाकोय
नगरसुतानारदमुनीकेवाकेसुनीकनवरुणलेविंतीगदीभयाहेनारदमुनीधर
मेगपनमाभयाकोकुरेतपात्रीलेआग्यागनुभयेमेरामनपनीतपस्यागरी
कोवडोइदाभयाकोछुतस्मातमकोनस्यानमागेतपस्यागनीहोआग्यारप्र
पन्नभयाताइसभनीवरुणलेविंतीगन्नाकोभावासुनीकननारदमुनीलेअप
दीभयाहेमहारजवरुणहिमालयमागेकनतिनेहिमालयपर्वतकाटहुना
मनकाकाएकगछुइनगछुकामनीदाटभागिरथीगंगाहुधारमि
भारहुइकासंगमभयाकोछुइनकनामसूर्यनामतीर्थभनीउरथात
काछुइनतीर्थमाजम्लेष्ठागलीतकनमदेहसंगभसयस्वर्गप्राप्तिहो
कारणलेहेवरुणससस्यानमागेकनअनगराहुकुटावलपर्वतमाथीग
नदेहकालीगस्यावनगराहिवभक्तकोउदारणगनेतपस्यागनीभनीग
पनीकननारदमुनीजोछुवद्वल्लोकविषेजादामपाभावापुवभक्त
रहेलेपनीनारदमुनीकावादनमुनीकनअस्यतहर्कमानमेनरदमुनी
गलेहिमालयमागेकनगंगाजीकारमुधाअग्निकासंगमात
ततवीगमाहोइहाकेलेपनमरीठाउरनातरासकाजालाधनी
महापवित्रभेइहाइलपर्वतमाथीगेकनअग्निकाहोइहा
कनशिवलिंगसमुद्रमागधिजिनेइहाभेनाराग्रहादि
देवनेतपस्यागदीभयाहेनारासंगवरुणलेतपस्यागदीभयाहेदेव
भेकनवरुणलाइवरुणानीमिनोआकाशदेखिनप्रगटभेअहोभ
स्यास्वरुणआयोगदसहस्रनयाकाजमगमापार्वतीराध्याका
गगरीप्रतेइहायाजाएस्तारुवरमहादेवलाइदेखिनअनइवरुण
येतहर्कमानमाथीगेगदीभयाहेपरमेष्ठकातमहादेवतपात्रीअनवरुण
तमस्कारनपात्रीहोभयाजगासारकाअधापतीलेवीरज
इहाअग्निमेमनेअनवेइहाइकनउदारगनीभयाकागहातपात्री
मस्कारकेरीतपात्रीकहायकोहेप्राप्तिभयाकाजनपनीअरुण
अनपरमेष्ठकातपात्रीकनइनअमुमहादेवतालेइहामागरीराध्याका
नउदारकागुपिकाभेविरजमानभयाकाफेगिपोवतीलाखामीभयाका
कहिछिछिछिइहाइकनभयकनएतानपात्रीलाइकननारदपरमेष्ठका
नीकनामस्वरुपिमहाजालाहतेसजालकासमध्यमाववधिजनप्राप्त
कोछुवद्वल्लोकविषेइहाइहाइपितामहदेखिनपात्रीलेनेकगनिभला

[illegible]

॥ हे पवित्र नन्दन तवा श्रीकाका अपत्यसुपि अमृतं सदा अमृतमेवेति
तस्मात्परिगणितं पनी मेरोदो हस्तियन्माभयक कसोगरी भव्या नेष्ट मन्निना
रकार जलपातग गिकन पतीह प्रित्तयेके सताजय श्रीकाका रूपि अ
मुक्तो छ मल्ल सोलागसा उहुवस हेडुगाः वापुभ ताका कला पुत्रेन्द्र
ने के को वस्यान मागेत पस्यागया कसे उपदेशा दैतली किरत पस्याग
पयाला मभाते जात यो दुरा विचार्यंत आगवागउ लुप्त भनी एस प्रकार सं
अगत्य मुनीले वितीगन्याको भाषामुनी कन कुमार जो हुतततले आप्पा
गर्भजनान् ॥ स्त उवाच ॥ हे भगस्प इव सुगोहन महारूपेण मेरे नी ५ तले
जाय पस्याग याका छुन इत्याम्मान मानकोत पत्वो के मैले गरंग मयो
ना लाय उग कन कर पमुनी का पुत्र हुन हे मुने कृष्ण अभिका छिदि
त नाग मही महापती प्रता त गवि भयाको लप्पुग छिमा इसमान किछि
ननु एकी दिती का पुत्र तु देवा सुर संगान रुदामा इन्दुल स मुगा
म री न ना सोहा हुन दिती जो हु महा लोक गरिकन उन दोर अलत के
पो वेता बिदार लोदि भइरु सम पापी हु इन्दु ले गरा पुत्र हल स्यगी मृत्युगग
या स्व स पापि हु इन्दु लार्वान नी मिना मैले पनी त प त्याग दें भूतो हल
प्रगर सं ॥ जन ले नी चय गरिकन इत बदी ती ले ठलोत प त्याग गिकन
जे भइरु ह्य क स्प प लग का बडा भ जि गरिकन स्व वा गाई भइन रु मां ताय
क स्प प ॥ अधिले पनी इन क मि ही तो रे रि कन दिती का अगाडी ओ
म म दी भ मा ॥ क स्प प उवाच ॥ हे पृथ्वि ती मिले म विखे द सा भक्ति ग
गानी निन ले हो जी गुामन ला अवाइ लाग या कि छो ति सिदे पि म पुनि
भ भ की क स्प प भ खिले आग पागन्या को भाषामुनी कन दिती जो हुन त
त जो रि विती गाई अरु ॥ दिती उवाच ॥ हे त्वामि मेरा पुत्र कन
हुन हुन गरा पुत्र स मुग्गे लइ पापि हु इन्दु ले सुत रा क पुनि
हेतु कन स्यामि न ग उवाच कन साम्र कल ने र हा ह्य भ
इन्दु लाइ मृत्युगग पु सकल्या पुत्र स न ला ह मा ग द धुं य नि
क गा ने हुन पु अरु के नि मा ग रि क स न कार का ति ती
लेन ह्य पल आग पा भया हे एवरि ते ती मो ले जो भयो मा य को
कर कला भया ॥ हेवन जोधनी न भया को सता मत दो ग पु
लेन को ग ह स पुत्र ले से नाम गन्या को इन्दु लाइ जी ति ह मुने क
ह्य पुत्रा नी ले गो ले दि जो हे ह्य स एव यो क मा अती
पला भ पान य बंध सम्म भ भ नाधार रागा उप देश त मने
म क शो भे तन दा रि गा गर्ब ल भी भगा ती मो ले द वा ई ह्य
हि न ग रान स व्या भ थो हु ता दे क भ नी क स्प मा ले आग पा
य कन वान प त्याग लेता रा भया ता हा ति वि ले भया प नी ग भि रि
कुत का आग पा न हा सुवी प वि भइ कन गर्भ धार राग ग रि व मरी इन्दु
लेन दिती व स्या को दि वि कन इषा का पुत्र नार द ना ल म यो कु
गालि ले इन्द्र मा का स्या न मा भइ भया क मा नार द भया त क
कन कला को ये ती अमुर को यती मित्र द साका चेरी कला भया

...उन्वासरवराङ्गभया भतिगर्दमापनी इत्येवम्
...भा इत्येवम् आगागदाभया हवालस्यतीनि हरुरनुपदेत् नने इमेरु
...मगरिंयुरा सद्यतवेदानेरस्थान अभरावतीमारणितुलः कोपी
...सप्रकारसंगदारवारुहाउदापापनी सोवाजयल्लडि
...अत्यलकोधगुरिकन पुनर्वार आगागदाभया हवा पद
...ले भासासम्मृता उदापापनी उत्तिकेरा अमणि हरसबैलाड
...इत्येवम् कासगड्ड कोधगुरिहका उदाकावलामा इत्यादि मन्त्रास्त
...कनगवितीगदाभिया इत्येवम् उपाननामिरायाद मो तपात्रीले
...भाभी एमप्रकारसंगभनीकिन इवानखहस्तपनाग्दाभया तासापडी इत्येवम्
...तले नावभन्याठले कार्यसिद्धभयोभनीछानीकिन धनो रत्नरदमुनी मेला
...लोउन्देशरियामेगठला तुलामि अहुन नारदभनी सुधिभनेन हनुय
...अजनन गरीकन इत्येवम् अनरावतिविसेकिरो यथा स्कंद उवाचो हे अ
...गत्य मुनी महापति दिनेकागभ देविन इवानस्मान्न जात प्रश वसा कस्मरेस
...जात भयोभया उनवासदायु भूकन लब्ध राभया महवीरपराक्रमी भौकन
...इत्येवम् नालिष्टुच्छिउल्हा उनाकास भक्त भयाळा इत्यादि मन्त्रास्त
...मर्थभयाका क्यानीमीनले इत्यादि मागे नभक्तागभ मावसी या इत्येवम् संग
...या साथ लाव सुला निमित्त संगरी रोधगनी तेन भनी सत्यगन्याका पुनाले इत्येवम्
...नावसमारयाका हुन हस्तावीरबाहु सन्त्यापि हाका सराकारगलसाम्भार
...आगिका उपकारगन्याभयाका हपुरा आगिका शगीभावयुक्त लक्ष्मणा
...आगिका विद्यागारा उनापनी इने वायु रुद्र शरिवोये बासुले लांड गा नाल
...ले जो मारो होत ले हो जान्व हस्तादायु उत्यन्न दुनाले श्री भुवन को अतो
...नहु दोभयो देवकली दफापनी परम भरतन्द्रु दोभयो क्यातीमिनले भ
...नलदीरभयाका वासुआक्रो से नाऊनाले इत्येवम् तसंग संज्ञान च गरुडला इत्येवम्
...त्येवम् भनी कन देव लोकका अत्यंत आवन्दु दोभयो भनी एत प्रकारसंग तुल
...ले अगस्त्य मुनी प्रति किह दाभया ॥ ॥ इती श्री स्कंद उवाचो हे भवत खरो अगस्त्य
...माग नखादेवायु इत्यनि नामै कविशोधायः ॥ २१ ॥ स्कंद उवाचो हे भगवन्
...को कदिन दीये रनवायु देवता जो छरुत भातुल्या इवस्याका वेलासा नारद मु
...केन आप्रहुदाभया कस्तानारद मुनी भन्या विनावडा इति गा इत्येवम्
...केन सुभामा पुष्पा रवायुले भयापती सा प्रासभा विषे नाते
...केन केन हत्यते उत्तिकन नारद कावर रागादरा इव तर गरिकन अने
...भनी कन डकिल्या कन हस्ता धवा दार्ध गरि आरा नमा कीरा ज्ञानगरा उदा
...तापति तन्मुरा बोधी प्रवेलेत माग तुल्य एकन पूजा गरि वारं वार न
...सिद्धि माराभया ॥ वायु लवाचा ॥ हे माग नम विष्णु तं पात्री जो दोदुस
...मिमुन भयाका फेरित पात्री कस्तारस ॥ ॥ गंगा मादुडाम तिभयाका
...नग जय रभ रीरान मान भयाका एसात ॥ ॥ जी आज का दिन मा नेरु
...नगरा इत्येवम् नूर प्रसन्न उभयो तल नीमिळ मेरा जन्म कनय भनो पु
...मिहून नवा वितीगदाभिया हे नारद मुनी स्वरत पात्री पिता उलागन भयाका
...नयेन ननुपयो आगाग उहवस्तु भनी एत प्रकारसंग वातले वितीगन्या
...नारद उवाचो हे माग नम आगागदाभया ॥ नारद उवाचो ॥ हवायु मभासा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पाछे न सार... शरका दान... मुमल म... को मुय स...
 म... स... व... माग... न... प... ला... को... भ... न... को मुय स...
 ह... ले... न... व... र... माग... न... ह... न... मै... ले... मा... न... न... प... य... भ... न...
 को... दा... हि... ना... व... म... प... दि... को... मु... र... व... न... व... डि... व... र... माग... भ... न... व...
 को... मु... य... ले... के... हि... प... नी... भ... न... दो... न... य... न... र... ह... स... र... ह... स... ग... र... त...
 य... भ... न... ग... डा... ग... र... ग... ला... ग... को... दे... लि... न... न... मे... ह... दे... व...
 भ... या... हे... रा... द... रा... भ... र... ग... मु... य... ह... स... का... प... र... स्पर्... खा... वि... रो...
 ने... लि... न... न... न... न... स... प्र... का... र... स... ग... भ... ह... दे... व... का...
 भ... यो... ॥ १ ॥ ग... गो... वा... ॥ हे... पर... मे... श्व... श्री... मह... दे... व... न... जी...
 ग... जो... न... को... ज... सो... भ... न... ह... स... क... न... त... से... व... र... द... न...
 ग... व... र... र... मा... मा... का... टी... र... न... स... ल... का... र... मे... य... न... प... न...
 भ... या... मा... न... मा... ग... दा... ॥ प्र... न... न... य... भ... न... व... यो... मा... ग...
 वि... ती... ग... या... को... सु... नी... क... न... मह... दे... व... ले... आ... ग... या... दो... भ... यो... हे... रा...
 व... र... द... न... मा... ग... भ... व... स... न... दे... व... ले... दे... व... ला... भ... नी... र... स...
 सु... नी... क... न... ग... व... ग... ल... न... या... प... नी... अ... न... त... धु... ति... के... न... वि... ती... ग... दा...
 इ... सा... प... नी... अ... न... त... धु... ति... ना... ग... दा... स... दा... स... व... द... न... पा... न... जी... का... व... र... रा...
 प्र... स... न... न... का... व... गो... त्रै... लो... के... ना... प... न... न... या... ग... र... प्र... स... न... न... भ... या... ना... य...
 न... न... अ... न... त... धु... ति... भ... र... ह... ना... क... न... पा... उ... दे... व... द... न... व... र... भ... व... ना... ग... दि... न...
 वि... लो... क... र... वि... र... प... नी... न... ला... इ... अ... व... ध... ग... र... प्र... स... न... न... भ... या... ना... य...
 वि... ना... अ... व... ध... ना... ग... दा... न... न... न... य... भ... न... या... को... ता... मे... री... आ... हा... रा... न... त... स...
 न... न... ग... ला... इ... क... या... ग... र... स... क... ला... मे... रा... अ... गा... डी... म... न... ध... ता... ग... र... उ... को... ज...
 न... न... न... म... न... न... न... या... को... प... नी... मे... रा... ही... सा... व... त... से... हो... हे... पर... मे... श्व... र... म... न...
 स... न... य... ग... दा... वि... र... अ... व... ध... ग... र... प्र... स... न... न... भ... व... र... भ... नी... र... स... प्र... का... र... स... ग... र... व... र... ग... ल...
 प... नी... क... न... सु... नी... क... न... श्री... मह... दे... व... ले... आ... ग... या... दा... भ... या... हे... रा... व... र... न... ले... ज... सो... भ... नी... स...
 त... स... न... व... स... भ... नी... आ... ग... या... ग... र... क... न... पु... न... र... के... री... भ... या... ग... दा... भ... या... दे... रा... द...
 न... र... ज... के... वि... र... प... नी... दि... न... व... न... न... भु... ग... स... न... न... व... या... स... भ... नी... र... ति... व... र... द... न... दि... क... न...
 दे... व... जो... ह... व... अ... न... र... ध... या... न... ह... दा... भ... या... ॥ स्तु... त... उ... वा... ॥ हे... अ... ग... म... य... यो... ह...
 त... पु... र... न... अ... व... अ... न... नी... ले... आ... क... पु... न... क... र... स... ग... आ... ग... या... दा... भ... या... हे... पु... न... क... र...
 दो... री... ध... र... का... प्र... शा... द... ले... ग... व... ग... ला... इ... स... तो... प्र... शा... र... पा... इ... क... न... स... स... दि... न... दो... वि... र... यो... रा...
 म... ह... व... ल... के... न... क... न... क... तो... ला... इ... प... नी... पु... ध... र... नि... ग... दि... दे... न... अ... न... रा... व... ती... मा... ग... के... न... दे... व...
 क... न... ग... पु... न... ग... र... क... न... अ... न... रा... व... ती... जि... ती... व... न... सा... आ... दि... ग... न... या... क... न... ब... य... ह... ला... इ... ल... या... इ... आ...
 का... सि... ह... स... न... व... व... द... या... बा... धी... र... ज... वा... भ... यो... स... तो... वि... र... रा... व... ना... स... ग... तो... ले... का... हा... न...
 ग... का... क... न... स... क... ला... इ... ह... उ... व... क... वे... र... क... दा... दी... दा... ति... नि... मा... हा... व... स्वा... को... ध... या... का... पा... यो... भ... न... या...
 हा... आ... इ... ती... भो... त... इ... मा... न... क... न... ध... नी... यो... र... ह... न... म... रा... का... र... ग... ती... मी... आ... हा... न... व... स... ही... मा... ल...
 य... का... र... न... र... प... दि... हि... र... क... प... क... न... न... ग... न... को... प... व... त... ह... क... इ... स... स... प... र... त... स्व... व... र... न... प... इ...
 धु... प... नी... न... व... र... के... तो... इ... स... स... या... न... मा... स... व... र... ग... र... स... वा... ह... र... या... का... ह... स... स... थ... न... ना... का... अ...
 न... न... ता... ता... का... प... नि... ह... स... प... नी... त... व... र... को... ज... सो... दे... वि... र... अ... ति... सु... न... द... र... भ... या... का... स... स...
 इ... सा... व... द... न... व... का... उ... र... न... भ... या... को... इ... न... का... भ... नी... वा... ट... व... स... पु... न... ना... य... का... र... अ... स...
 वि... र... कु... र... को... स... ग... न... भ... या... को... इ... न... ग... न... ले... ती... र्थ... का... ज... ल... जो... न... ले... स... स... ग... ला... अ... थ... वा...
 न... ग... ल... न... ता... ले... अ... धि... ध... या... न... न... को... क... र... स... पु... र... स... म... ह... ला... स... स... ती... र्थ... ना... इ... आ... न... ग... या...
 न... या... प... न... र... ति... न... नी... प... र्थ... यो... न... न... न... ति... वा... या... ती... र्थ... यो... न... न... ग... री... इ... न... का... ना... दी...

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the religious or philosophical discourse found in the other pages.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

A close-up photograph of a heavily damaged, aged, light brown paper surface, likely an endpaper or flyleaf of a book. The paper is covered in numerous dark, irregular stains, spots, and tears, indicating significant water damage and decay. The texture is rough and uneven.

[Faint, illegible handwritten text]

[Faint, mostly illegible handwritten Devanagari script]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥

का आगवा सुनी कनसु र्प कनसु
गासु र्प कनसु र्प कनसु र्प कनसु
गासु र्प कनसु र्प कनसु र्प कनसु

ककशगिरकंपन्नगरे

[illegible]

...
...
...
...
...
...

... विवादे ... दर्शन ...

...रा...त...स...न...सू...य...ज...द...न...
...स...के...र...धो...क...र...अ...ग...वा...ग...
...स...के...र...धो...क...र...अ...ग...वा...ग...

मनोदेवलोक्तस्य प्रसन्नवाच्यं ॥ १ ॥

॥ देवा उचुः ॥ हे श्रीरहस्यतपाज्जी जे हो. सम्पूर्ण प्राणी का दुःख निव

एतन्मन्त्रं पठन्तः सर्वपापान्मुच्यन्ते ॥

कारसंगद्वलोकका आगपाधनी

[illegible]

[The manuscript page contains several lines of handwritten Devanagari script, which are heavily faded and difficult to decipher.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to severe fading and damage. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[The manuscript page contains approximately 10-12 lines of handwritten text in Devanagari script. The text is heavily obscured by significant water damage, including large brown stains and areas where the paper has been torn or eaten away, particularly along the top and left edges.]

[illegible]

This image shows a single page from an ancient manuscript, possibly a palm leaf or a piece of aged paper. The text is written in a script that appears to be Devanagari, though it is largely illegible due to severe water damage and physical wear. The page is characterized by numerous holes and a large, irregular tear on the right side, suggesting it has been subjected to significant environmental damage over time. The ink is dark, and the paper is a mottled yellow-brown color. The overall condition is poor, with much of the original text obscured by the damage.

... १३ ...
... १४ ...
... १५ ...
... १६ ...
... १७ ...
... १८ ...
... १९ ...
... २० ...
... २१ ...
... २२ ...
... २३ ...
... २४ ...
... २५ ...
... २६ ...
... २७ ...
... २८ ...
... २९ ...
... ३० ...
... ३१ ...
... ३२ ...
... ३३ ...
... ३४ ...
... ३५ ...
... ३६ ...
... ३७ ...
... ३८ ...
... ३९ ...
... ४० ...
... ४१ ...
... ४२ ...
... ४३ ...
... ४४ ...
... ४५ ...
... ४६ ...
... ४७ ...
... ४८ ...
... ४९ ...
... ५० ...
... ५१ ...
... ५२ ...
... ५३ ...
... ५४ ...
... ५५ ...
... ५६ ...
... ५७ ...
... ५८ ...
... ५९ ...
... ६० ...
... ६१ ...
... ६२ ...
... ६३ ...
... ६४ ...
... ६५ ...
... ६६ ...
... ६७ ...
... ६८ ...
... ६९ ...
... ७० ...
... ७१ ...
... ७२ ...
... ७३ ...
... ७४ ...
... ७५ ...
... ७६ ...
... ७७ ...
... ७८ ...
... ७९ ...
... ८० ...
... ८१ ...
... ८२ ...
... ८३ ...
... ८४ ...
... ८५ ...
... ८६ ...
... ८७ ...
... ८८ ...
... ८९ ...
... ९० ...
... ९१ ...
... ९२ ...
... ९३ ...
... ९४ ...
... ९५ ...
... ९६ ...
... ९७ ...
... ९८ ...
... ९९ ...
... १०० ...

का. नं. १०३

[The manuscript page contains dense handwritten text in Devanagari script, which is largely illegible due to extreme fading and significant damage to the paper.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to severe fading and bleed-through from the reverse side of the page. It appears to be a continuation of Sanskrit script.]

नमो भगवते वासुदेवाय

वि. शांतिप्रवाहभवाकाङ्क्षुकी अकिन्तादि. भा.

नामः श्रीगणेशाय नमः

卷之六

[illegible]

... ..

[illegible]

1940年11月

मालिनीयस्य धारुणस्य कर्मात्

... 1954 ...

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

卷之四
 四

यथाभ्यासः कौटिल्यप्रवृत्तः ॥ यथाभ्यासः कौटिल्यप्रवृत्तः ॥

पुनः मया का करार नू पवतक १५ रसिपुगानि। दक
पाकवधभाकाधनः पडिमापवतक। उपदेवाः कव

उन्धोतिदहकाजोगिलिहः ॥ धावाकाप्रगजा ॥ २ ॥

भयान्नाहन् फोड्डाउं काउं पस्वर्गाव पदनाथा

पञ्चम्याका सप्तम्याका अनाफललायनमथा

होगा रिपगाम या कालः पेगिअनेक न्याया के प

हान्मातह उभादिभ्यामाह्नः पणिभवेदन्त

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्चनम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

एउलपर्वतकस्तच्छिन्नान्याश्चनपर्वतकासलासम्भू

अनकशातुष्टसंयुक्तभयाका-आनेतजवनभयाका

प्रवाहभयाको. अतिमनोहरस्थानमशुकाहेमुनेः

मारधनेभन्या असिहजारयोजनविस्तारभयाका ला

नेत्रां ह्यपि फेरि द्रव्याजो ह्यतनले चित्रसार्धभन

भयाः योगतिसानभन्याकापवतकनश्रुतिगदीभया

फललतावृक्षशोधधिभवेत्तत्राप्यग्राह्यभादिने

[illegible]

वसयान्नावरतामस्योकाकान्तवालिसमाजनावस
द्विजिह्वाभवादन कविमयमोहननिबन्ध

नविस्तारभयाका-कातसययजिनविस्तारभयाक

भयानकाकाललाक्ष्याज्जनविस्तारभयानकाकालिक

सप्तमप्रकारलगरिकन विप्रसाधुआदिगणिभसि

शमया ह्यगस्त्यद्वयवत् पिष्टे अनकनदिउत्पत्तिः

हृदयकमास्तवरागक दृशभयाकाहृन् फेरिठा उठाउ

निभयाकाङ्क्षन् ७५ पुं० अङ्गमास्त्वय ३५ इवाउत्तरा

वराणादिकाप्यप्युत्पाकाह्ननकरा

इपवत एक एकमा न्तवरावः दशभया काछन् फेरिठा उठाउं म स्वरावः
कावादिना धानीभया काछन् ७ उठाउं मास्वरावः ७ उठाउं मास्वरावः
छन् अने कसो वरावादि कापुष्प फलया काछन् फलया काछन् फलया काछन्
भया काछन् अने कनदिह रूपनी छन् इन्द्रिका संगम हनालः ७ कति धम
या का छन् इमुने विन्न भागु पवत देखिन् अने न सिद्ध रानि सिद्ध धावा च द
दिना उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का

७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का
७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का
७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का
७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का

७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का
७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का
७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का
७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का

७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का
७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का
७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का
७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का

७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का
७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का
७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का
७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का

७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का
७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का
७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का
७ उठाउं मा कवा आदि लेयः भया का ग्राम भूत गुल्फ भया का

[illegible]

...मन्त्रादिवापिनामसाकन्याभयाका फरगमः मन्त्राका फलफल
...भयाका इनकेलासपर्वतजोछन् अतिसेभायमानभयाकाछन् फे
...देविनृगीगात्रवाहभयाकिरने अनेकनदिकासो अभयका
...केलासपर्वतविनेदेवि गति २० मन्त्र केलासपर्वत जोको
...हअगस्त्यमुन इकेलासपर्वतमातिनगुगालेपनीजधभय
...अनेकपुष्पकावासनाउडाइल्याइकन असत्तगुगधगाइसो
...हअगस्त्यइकेलासपर्वतमाकेलेपनीमुसहु खड्डनसदास
...आनन्दस्थानभयाकाएसस्थानमाएतदिनदेन मृत्युपनीछैन अतिमन
...स्थानभयाका फेरिससस्थानमाकेलेपनीधानपनीपंदत सदासवदात
...सकासकास्थानहुइअगस्त्यएसप्रकारसो विधाताब्रह्मालसम्पूरापर्व
...अधुगारि इकेलासपर्वतमृष्टिगदाभया फेरिकेलासपर्वतकस्ताभया अ
...नेमसन्तभयाका कोरिसूर्यो मानभयाका फेरिअतिविस्तारभयाका सो
...मन्त्रादिरलाघयेजनउवाभयाका इनपर्वतमा कसेजोगम्पछैन हे
...मुनी इकेलासपर्वतमाअगोकरगुहाभयाको तावाकिह २२ दिकागुह
...कागुहाअनेकतलाउधारपौधरिवनवधैवाआदिवलाइ
...सुखलतालेसुयुक्तभयाकाजानुनइकारसलेसुयु

...इकेलासपर्वतकालभ २ कोरि
...कामाहिनानाकरका मृगभयाकाछन् इनमृ
...आकासमार्गदेविनृ २३
...सम्पूराकेलासपर्वतब्रह्माजोहृतन
...हअगस्त्यमुनी इकेलासपर्वतमा
...सहिदगिनीगनप्रमथगागानादेभृनी
...मानगलभयाकाछन् कस्तामहा
...भयाका धमिहपुंन्यात्माहहलाइ
...कासकासमीमहादेवजोछन् मरिमाता
...पर्वतभापरमानन्दसंगविगतमानगारिह
...ब्रह्मालेआक्रान्तलेभगेत अतजनिनगोभृष्टि
...इकेलासपर्वतमा कदात्रहृकावासजन्म
...विनातपस्यालेमानपाइ देन इकादिदेवताकापनीगीप
...इकेलासपर्वतहु इनकाइतमागर्वाठाठपनीछैन हेअगस्त्यमु
...इकेलासपर्वतमृष्टिगरिसका
...भयाका कस्ताभीकुटावल इतभयाका
...भयाका पावस रायो
...इकेलासपर्वतमा हिमालयपर्वत
...हिमालयपर्वतभया हिमालयमागिभृष्टिगदभया
...अतिविस्तारभयाकापनीदेवि
...कोटानकेटितिछुसुसुकाछन् इकेलासपर्वत

115
115

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of a Sanskrit manuscript.]

अथाकाशस्य सम्पूर्णं सगणितं दिवा कोटिहिकन देवराज इन्द्रोक्तं अत्यन्तको
रिन्द्रोक्तं तद्वातेमाचोक्तं न मेघमण्डलमात्रं वज्रपाहागणिकन सुमेरुमात्रं
मूर्त्तयन्तकापेवराकादिगुणभया हेमुने समनामिन्नले इपुर्वतस्तु उडनाकोरु
प्रभयन जोताठाउमा इन्द्रले वज्रकाशानले पछेटाकासा उतेठाउमा अरुस
याकाछुन ह अगस्त्य तुने मेघनाकप भन्याका एकपवतमात्रे तनुद्रमाभया
न भयापिसमुद्रमालुकिरयाका इन्द्रकाभयेलेमाधी आउनुसकलन
न भुनीभृष्टिकता वृत्ताले सुमेरुके लोस हिमालय आदिपर्वत आदिभृष्ट
करुकाहिसका अवउप्रान्नप्राप्ताभृष्टिगन्माकाकरुकहे विन्न दृढगरिस
तिनात्रे उडुमारले अगस्त्य मोक्षप्रतिज्ञा कोकयाह नेमिछारणपवनमे
मन्त्रले सावकादि अमिहलना कहदाभया ॥ १५ तिथी स्कंदपुरा
इस द्वावेलात्पनि नाम तृतीये ध्याये ॥ १७ ॥ स्कंद उपावा ॥ १८
हापदि ब्रह्माजोछुनतनले प्राणिभृष्टिगणानीमिन्न दुश्वाजभाभ
ये दुवेहानजोरीदरावृत्तगरी श्रीमहत्सुकासुतिगदाभया ॥ १९ तिथी
रद्वयभेवतदृष्टा वनकाजाधमि विजमानभयाके अरुसकल
सत्तातपाजीकाउपमविधेभरा ॥ कोटिनमस्कार हेमहास
लाभ्या समस्तप्राणि काहदसकल विधे जगत्तातापावतिले
गरीपापुण्यकारादिभेविगुणभयाका सत्तातपाविकन
हेत्रलोकेनाथ केरितपात्रिकलाभन्या सम्पूर्ण प्राणि
गन्माभयाका प्राणिहल्ला इप्रतिपालगन्माभयाका
लाभयाका समस्तप्राणिलोकलागुतिदिनभयाका
कोटिनमस्कार हेमहास केरिसम्पूर्णकायगणउन्मा
सम्पूर्णकाकध्याणस्वरूपभेयाका समस्तभूतप्राणि
गतिज्ञापादपभविने उकारलेमहितगारभरणमस्कार
सत्ताहोभन्या भृष्टिस्थितिसंहारकाकर्ताभयाका केरिभूत
मान्माभयाका सत्तातपाजिलाजीलाइ कोटिनमस्कार हेमहास
लिकलाभन्या इन्द्रसारावियेभन्याहिरवाहिरव्याप्तमानभेविगु
इन्द्रस्वरूपभयाका इन्द्रसन्सारमाकुलोभन्यपनीतपात्री केरिएसं
दिक्स्वरूपभयाका विवेकविचारगणउन्मापनीतपात्रीहो एतदुतपा
इको कोटिनमस्कार हेईश्वर तपात्रिकलाभन्या अवेकस्वित्तिपनीजाना
सकलजाका विलपनीनभयाका शरिरका आकारभयाका सम
नमस्कार हेपरमेश्वर इन्द्रस्वरूपभयाका तपात्र
मानभयाका सतिउतभन प्रसाराभयाका विश्व
भल्लागोमीमहादेवकाचूराकुमलमाकोटिनम
सत्ताहोभन्या सम्पूर्णलोकलेमानेपूजागरीयाका
गणगारिरयाका मानगणइन्द्रभयाकासकल
माकोटिनमस्कार हेईश्वर सन्सारमासार
पदार्थभयाका अर्ग्यपदार्थभयाका नासपदा
मापवीतासनइन्द्रभयाका पृच्छी जन्मतेज
वन्द्यभृष्टिगन्माभयाका इन्द्रपर्वमहाभूतलेप्राणिभृ
याका इन्द्रगणिका इन्द्रियमाजिवात्माभेवीरजमानभयाका परा
राजमानभयाका मायारूपभयाका मायावताउन्माभयाका माया
न्याभयाका मायानभयाका मायादेविभूभिन्नभयाका गुणपदार्थभ

भाका इति एका इति यथा जिवान्माभैवी राजमान भयाका परम्
 राजमान भयाका मायासुभयाका मायावनाउन्माभयाका मायाल
 न्माभयाका मायानभयाका मायादेविनृभिन्नभयाका गुणपदायभया
 गुणवनाउन्माभयाका गुणमाविराजमानभयाका गुणातीतपनीत
 यतिहो एतातपान्जिलाइकोटि २ नमस्कार हेतु लोकनाथ पानसुरूपभया
 का शानकनमृष्टिगन्धभयाका शानीलेदृष्टगतिभेदाइराध्याका शानीलोक
 नेष्टागिरिध्याका एतातपान्जिलाइ वांवाकोटि २ नमस्कार हेतुदतीन
 धनीत्य अनीप दित राह जातकाल मध्याह्न सैध्याकाल योसम्पूर्णतपा
 तो जस्वरूपभयाका जलस्वरूपभयाका मेघरूपभयाका विद्युतरूपभयाका
 ह्नाथ नीविह्वाररूपभयाका आनन्दरूपभयाका लससारकाकर्तस्वरूपभ
 याका सुखसारकाकानेष्टा नपवनसूर्यरूपभयाका दौर्गन्ध्या सदेविभयाका
 धर्म्याका भीत्रध्याका हेर राका पदायस्वरूपभयाका गोचरदत्त
 नीतपानी अगोचरवस्तुकुतोतपानी सिद्धवस्तुक असिद्धवस्तुस्वरूपभया
 का एतातपान्जिलाइ मेरोकोटि २ नमस्कार हेतु श्वर केरितपानी कस्तभभया
 का स्वस्वरूपभयाका सबगुण जगुण तमेगुण इतिनेगुणदेविनृभिन्नभयाका
 पत्रपञ्जलका विडुवध्याहेभयाका नीवस्थापनी होनकन नमस्कार
 एतातपान्जिलाइकोटि २ नमस्कार हेतु भावान् केरितपान्जिलाइ
 नय नय नय कनामभयाका पुस्तो नमनामभयाका धर्मराजाभयाका
 मयभयाका कालभयाका कालकालभयाका मृत्युकामृत्युभयाका
 यतामभयाका श्रीमहादेवकापाद भविष्येकोटि २ नमस्कार हेतु
 कस्तोभया यो ग्वरहसुले योगलेपनी भेदाइनसंकलभया
 दगभार गगन गगलसहितगगि विराजमान नन्द दा यागव
 नो योगेश्वर इति नानी योगनमाल पूजागराभयाका यो
 गभयाका योगमावीराजमानभयाका योगकर्त्तृस्वरूपभयाका यो
 गभयाका योगिस्वरूपभयाका एतातपान्जिलाइ मेरो
 कोटि २ नमस्कार हेतु श्रीकामाहीमायालेछाकदा इष्टारिलोके
 विने नुछसमानकाभयाकाछन् कानभन्यातपान्जिलाइ
 गडास्ताभयाकाछन् एतातपान्जिलाइ कामाहीमायाछन्
 नपादपद्मविधे एकविन्नभेतपस्सगला इतलमात्रितपान्जिलाइ
 इतल नारायणलेकैलेगनीछे नुहिलेन एताले वादपा
 को ननका पाउनाइ कोरे एतातपान्जिलाइ कामहिमात्रिलोपारा स
 नान्नीकावरुणारदन्दमामेरोकोटि २ नमस्कार हेतु भावान्
 नानभयाका पविआत्माका ऐश्वर्यापनीतपान्जिलाइ
 का केरिस्वरुणारिआदिधातुवि न्नाउन्मा
 याका आतविधाताभयाका एसससारप्रहिण
 राज नानभयाका ससारकनदियाभयाका केरि
 नानभया एताजगज्जलाराइश्वर श्रीमहादे
 स्कार हेतु श्वरमेलोगन्यालात्रलेतपान्जिलाइ
 वरभनीष्टवीमादराउवागगि विहालेस्तातो
 नानभयाका इतलमात्रिलोपारा स
 नानभयाका इतलमात्रिलोपारा स

[illegible]

इन्नाग्निकाध्यानकहं सुन चौधगोदावाहुभयाका सातग
का सतेमोहडाभा मोहडाप्रति ३३ नेत्रभयाका साते मुखदे वनमि
का सतगुण्याका अतिरैतेजभयाका अरुणवहरासमस्तप्राणिज
इन्नाग्निकेनरागुण्याछन हेअगस्त्य एस प्रकारसंग श्रीमहाहइलेआफात
नेत्रदेधिनु दइसूर्य अग्नि मृष्टिगिरिकन श्रीधकालभयाकापृथ्वीजाज्वले
नाजतेजकनमृष्टिगिरिदिदाभया हेअगस्त्यसुन इन्वदसूर्यकातेजलेसम
ठाउंदेधिदाभया नलेगरीपृथ्वीजोछन अत्यन्तसोभायमानहुदाभयाहे
मुनेजोनादिनदेधिनु ईश्वरलेवदसूर्यका मृष्टिगन्यातसदिनदेधिनु दिनगत
हुदाभया समस्तसर्ववर्षकाहिसाव हुदाभयाहेमुनेआहापछि श्रीमहाहइजोछ
नतनले तिननेत्रका असले तिनथो मृष्टिगरी ब्रह्माका अगाडी आग्नागर्दाभ
या हेब्रह्मा अवमैलेतेजमृष्टिगिरिसक्या इन्तेजले गरिसमस्त ठाउंमाउज्जालोभ
या दोधेन्याभयो तसनीमिनतिमिनेप्राणिमृष्टिगर भवी आग्नागरी फेरि पुनव
र श्रीमहादेवले ब्रह्माकनहेरी आग्नागर्दाभया श्री ईश्वर उवाच ॥ हेब्रह्मा तिमि
जोछो मेरा रूप हो विद्युकरूप पनी मेरे रूप भनी जान फेरि ती मारुप विद्युदुन वि
द्युकरूपतिमिने तिघामुतिपनी मजु हेब्रह्मा हामिति नजना का एकेशरीर हे
भनी जान क्वा नभन्या एस ससारवना नना कानीमिनले एकसरिर देधिनु तीन
सरिर भै मृष्टिस्थिति सी हारगंगा नीमिनले तिमि मृष्टिकर्ता ब्रह्मा भइ प्रध्यात
हुन्या छौ हेब्रह्मा मृष्टिस्थितिकर्ता नहा विद्युदुन सी हारकर्ता मजु एसनीमिनले
हामिति नजना का एकेशरीर सत्यसत्यलेहा भेदा भेदगर्त छैन हेब्रह्मा सुन इन्
वदसूर्य जल अग्नि वायु पृथ्वी आकाश यजमान इ आठ मुति हामिति नजना
का मुति हुन भेदगर्त छैन हेब्रह्मा इ आठ मुति हाम्मारुप हुन भनी जान क्वा नभ
न्या प्राणिलोक छौ वरनी गम मृष्टिगंगा नीमिन हामिति नजना ले तिनगोदा
गमगयो हेब्रह्मा अवती मिले प्राणिमृष्टिगर भनी आग्नागरीकन इन्ना
स्तप श्रीमहाहइका आग्नागुवीकन चतुरमुखब्रह्मा जोछन मनमा अतिह
वानगरी श्रीमहाहइका चरणा माकोटि २ प्रदक्षिणा गरि हात जोरीकन विनिग
ता माह परमेश्वर तपाजिकला हो भन्या साक्ष्यात वृक्ष वरुप भयाका तप
कजगांनु वादगणी कन मेरा सामर्थ्य छैन तपाजिका कलासले हेरा मानत्र
छि कजांनु नाभना इरुन पाजो एसात पाजिका पाद पञ्चमा कोटि २ नम
हो इश्वर सदा सर्वधा एता अनुग्रह मेरा उपर प्रसन्न भया जावसु
कतिप्रमाणामजप ध्यान मेरा हृदय मा स्थिर गराइ प्रसन्न भया जावसु
हुन मानमले विनिगदछु भनी रस्तर हसो ब्रह्माका विनिभोगासु
असो वदनाच श्रीमहाहइ जोछन ब्रह्माका मुख हेरीठ भे आग्नागर्दाभ
या तपासुतिमिले मागपकेत सहेला भनी वरदान दिकन पुन
वदनाच हे ब्रह्मा अवति मिले मेरा स्थान मृष्टिगन्याका
भनी आग्नागरी देस दिशा प्रकार समान गरि जावसु
कलासवदत विये जादा भया भनी कुनारले
श्री ईश्वर उवाच ॥ हेअगस्त्य मुनी सुन ब्रह्मा जो
हइका वरदान पाया पछि वित्तमा हव्य मानगरी

...कलासपदतवियेजादाभयाभनीकुमारले...
...होकरउवावाहेअगस्त्यमुनीसुनब्रह्माजी...
...इदंवरदानपाप्मापद्धि-विनमाहर्षमानगरी...
...विनहठगराश्रीमहाहूरकानेनकाश्रस...
...कावदूरसूर्यअग्निहेरिकन-इनकातेजलेपृथ्वीभिकासमान
...हेरिकन-विनमाअतिआनन्दगरीपुनवारब्रह्मजोवनतनलवा
...ले-वेदपठिकन-श्रीहरिहूरमूर्ति-इहातजोरीकनसो-प्रगदोभवा
...लोवावा)हेपरमेश्वर-हेर-तपात्रिकस्तोभन्याश्रीविदु-हपभैविराजमा
...का-एस्ताश्रीसदाशिवलाइ-कामसहितगारिमैलेनमस्कार-हेपरमे
...हेरि-शिवरूपभैविराजमानभयाकाहला-श्रीनारायणकापदपद्मनाम
...मस्कार-हेपरमेश्वरतपात्रिकस्तोहोभन्या-देवताकापनीदेवताभयाका
...विश्वेश्वरभनीविराजमानभयाका-फेरिशीरमाचन्द्रमातिलकस्वरुपागिरिदा
...भयाकाएस्तालाइमेरानमस्कार-फेरिश्रीखराइकेरारिलेठाडोतीलक
...धारणागन्यालाइमेरानमस्कार-तीननेभयाकालाइ-दुइनेत्रभयाका
...लाइ-मेरानमस्कार-एकमुखभयाकालाइनमस्कार-पावमुखभयाकाला
...इनमस्कार-फेरिभस्मले-लेपनगन्यालाइनमस्कार-श्रीखराइकूरले-लेप
...नगन्यालाइनमस्कार-हेपरमेश्वर-श्रीहरिहूर-तपात्रिकस्तोहोभन्या-एकज
...नाकाव्याधुदगकाधोति-एकजनाकापिताम्बरकाधोतिपेयाका-एस्ताला
...इमेरानमस्कार-हेपरमेश्वर-कैलासमावासगारिविराजमानभयाकालाइ
...वैकुण्ठमावासागारिविराजमानभयाकालाइ-मेरानमस्कार-फेरिनानाप्रकार
...नानाप्रकारकानुर्तिकाशरीरभयाकाश्रीशदाशिवलाइनमस्कार-फेरिनानादेहधार
...णागन्याभयाकाश्रीनारायणलाइमेरानमस्कार-हेभगवन्कालकाअगोवरभया
...काकालकास्वरुपभयाका-कामभयाका-कामदेवकापिताभयाका-विश्वेश्वरभन्या
...काविश्वभूरभन्याका-वामदेवभन्याका-वासुदेवभन्याका-एस्ताश्रीहरिहूरकापादप
...अंशमेरकोटिनमस्कार-हेइश्वरअग्निरुपभैविराजमानभयाकामहाविष्णुलाइ
...दिशमस्कार-जलरुपभैविराजमानभयाका-महारुइलइकोटिशमस्कार-हेजदि
...श्वर-जगन्नाथमैत्ररुपभयाका-श्रीसदाशिवलाइनमस्कार-चतुर्वेदेरुपभयाका
...श्रीनारायणलाइनमस्कार-श्रवारुपभयाकाश्रीनारायणलाइनमस्कार-घनात
...पायाकाशेरुलाइनमस्कार-श्रीहिरुपश्रीनारायणलाइमस्कार-फेरिअ
...नकभोगगन्याभयाकालाइनमस्कार-भोगवत्तस्वरुपभयाकालाइनमस्कार-
...नर-ससैलारकानायकभयीविराजमानभयाकालाइनमस्कार-एसस-ल
...कतोभैविराजमानभयाकालाइनमस्कार-फेरिसदाकालमा-आनन्दभयाका
...इनमस्कार-सदाकालनाचइन्दभयाकालाइनमस्कार-हेपरमेश्वरविष्णु
...तपाइमेरानुतिभन्नुपनीतपात्रीहो-गुरुपनीतपात्रिहो-परमगुरुपनीतपात्रि
...भन्याका-मुखा-भन्याका-शुशिक्षनामभयाका-धरणिधना
...तिभनीनामभयाका-एस्तातपात्रीलाइ-मेरकोटिकोदिनमस्कार-
...शरुपभयाकामहारुइलाइनमस्कार-वायुरुपभयाकामहाविष्णु
...रुपभयाकाशिवलाइनमस्कार-मन्दररुपभयाकाश्रीनारायण

विभनीनामभयाका सस्तापानीलाइ मेरुकोटिकोदिन
रासभयाकामहाइलाइनेमस्कार वायुरूपभयाकामहाविद्यु
रूपभयाकाशिवलाइनमस्कार मुदररूपभयाकाशिवलाइन
यलरूपभयाकाशिवलाइनमस्कार हृद्यरूपभयाकाविद्यु
रूपभयाकाशिवलाइनमस्कार सुकजनागलाविद्युकोटिकोदिन
काकाविद्युकोटिकोदिनमस्कार फेरिसकाकागमावनमाला
एकनामनामामुराडमालापेयाका सस्तापानीलाइनेमस्कार
कोटिकोदिनमस्कार हेपरमेचर श्रीहरिहर तपत्रिकस्ताभया कोटिकोदिनमस्कार
कलाइ मुराडगमतकलगनभयाका सस्तालाइनमस्कार सखधनीगन
पनीनमस्कार पत्रहस्तधारगगनभयाका कनपनीनमस्कार मनुष्यकावप्यरुलिनयाक
नपनीनमस्कार वृषभवाहनगनभयाका लाइनमस्कार गरुडवाहनगनभयाका लाइनमस्कार
विष्णुकधनुधारगगनभयाका लाइनमस्कार सारंगधनुधारगगनभयाका कननमस्कार वि
भयाका अवतारभेकनदक्षप्रजापतिकायज्ञविधिसगनभयाका लाइनमस्कार वामनका
वतारभइवलिराजाकयज्ञविधिसगनभयाका लाइनमस्कार दुर्वासामुनीस्वरूपभयाका
लाइनमस्कार कपिलमुनीस्वरूपभयाका लाइनमस्कार हेपरमेचर श्रीहरिहर तपत्रिकस्ताभया
अगस्त्यभयाका तानवृद्धिभयाका उररूपभयाका विराजमानभयाका एकजनालेतिनेमुर्ति
भया फेरितिनमुर्तिले पाचमुर्तिभयाका समस्तप्राणिकाजिवात्माभयाका सस्ताजि
वात्मापरमात्मास्वरूपभयाका श्रीहरिहरकापादपत्रमाभेएसहस्रकोटिशनमस्कार
भनीद्वालेसस्ताप्रकारसंगस्तोत्रगदाभयाभनीकुमारले अगस्त्यमुनीप्रतिकहंदाभ
याका स्कीउवाच ॥ हेअगस्त्यमुनी ब्रह्माले श्रीहरिहर कास्तोत्रगर्णाले श्रीहरिहरमुर्ति
नारायण जो छल्लुवाकास्तुतिले अतिसेतोषभेकन हामिकन ब्रह्माकानजीकमात्र
मिडदाभया आग्यागदीभया ॥ श्रीभगवानोवाच ॥ हेब्रह्मातिमिलेगन्याकास्तोत्रले
म अतिसंतुष्टभजा अवतिमिलाइवरदानदिनानीमिलले मजोछुवनक्षभेरेखाडु को
नकराकामनोरथहु सोवरदिनु हेब्रह्मा मेलै फेरिभनहु एकवित्तभेसुन एसससत्सार
मातिमिलेप्राणिशृष्टिगर्णानीमिलले शिवआदिगरी मेरा आराधनागन्योतस्कारसा
तिमिलेप्राणिशृष्टिगर्णानीकोसमर्थहुवस इवरदिजा हेब्रह्मा मपनीतिमिसंगेवसि
नमेलैपनीशृष्टिगर्णला अवतिमिजोछो सवतनुदशालोकमा देवअधिदैत्यदानवना
नाजातिशृष्टिगर्ण हेब्रह्मातस्तोगरितिमिले मनमा भावनागर्णलातस्तोगरितिमिले
शृष्टिगर्णानीकोसमर्थहुन्याछ श्रीमहाइकाप्रसादले तिमिलाइ इक्षारक्तिपायाका
तिमिहतपताउनुपदैने हेब्रह्मामपनीतिमिसमहायभे शृष्टिगर्णला तिमिलेरीदामान
पदैने अवतिमिले स्वर्गमन्यपातालकोशृष्टिगर्ण हेब्रह्मा आजदेछिन एससत्सारकाशृष्टि
कर्तातिमिभयो एसप्रकार श्रीमहाविद्युले ब्रह्मालाइवरदानदिदाभयाभनीसेन
भनारले अगस्त्यमुनीप्रतिकहंदाभया हेअगस्त्यब्राह्मपद्धिफेरि पुनदोरमहाविद्यु
कोटिकोदिनमस्कार कनभयागदीभया हेब्रह्मा जोनप्राणिले पोतिमिले मुखामुन
नृत्तनिगन्याका हरिहरात्मकस्तोत्रकनपाठगला अथवाजप्लेघादिवसैगुहगर्ण
जयजोनाले इतहरिहरात्मकका अर्थकसुत्तातनका गृहविद्ये मेरिलिलवमीनेसही
नेनेमेरेवासगर्णला हेब्रह्मा फेरिसस्ताप्राणिविद्येमेलेपूतिभावनागर्णमेराभक्तगर्ण
लेकनलोकाधनधान्यसकीर्ति आयुकावर्धमानगरिदिउला फेरिसम
गर्णकोमु इतस्तोत्रवेदजात्राब्रह्मनलेपाठगला इक्षामेजानगर्ण
गर्णदिदादछिन कोटिकोदिनमस्कार कापीवमहावातकअदिगर्ण
लेकनलोकाधनधान्यसकीर्ति आयुकावर्धमानगरिदिउला फेरिसम

...नसकामु इतमत्रवदजात्राहानलेपाठगरइ इकाभोजनगरा...
...गादियादेविनु कोशनकोटिजन्मरुकापेवमहाजातकअदिगरी...
...लेकायुलिफेवाहे गरिकनपापलेहोडिजालाहिव्याफेरिइ...
...मेअनकालमा मरासरिमालीनहोलाभनी एहकारसग...
...कास्तोअकनवरदिदाभयाभनीकुमारलेअगस्त्यमुनीला...
...वावाहेअगस्त्यमुनश्रीनारायणकाभायामुनीकनडुआजाहन्...
...महाभारीवारेगोदाशिरलेश्रीनारायणकापादपत्रविषेकोटि...
...श्रीनारायणकामुखारवन्हेरिकन आपपागदाभयाहेपरमेश्वरश्रीनारायण...
...तपात्रीकानभिकमनमामराजन्मभयाकोहोतपात्रीकाप्र...
...कनडुआजाहन्वसंहेपरमेश्वरआवमेलेइनपुष्टीमाप्रा...
...श्रीलेपनीमरासहायभेष्टिगरिअसभयादावसतपात्रिकापादप...
...मरासहायभेष्टिकानभनीविनिगदाभयाहेअगस्त्यसप्रकारसीग...
...गरिकनमनमाअतिहवमानगरिकनपैलेब्रह्मलेअकारअक्षरकन...
...अकारदेविनुवोधगोदाअक्षरत्वात्पलेभृष्टिग... इनस्वदेविनु३४...
...अक्षरदेविनुवाहविनाममंत्रजन्मभयाहेअगस्त्यइनमंत्रलेस...
...विमअक्षरमाहलेमहितगरिभृष्टिगदाभयाहेमुनआहापछिनादउत्पन्निगदाभया...
...आहापछिछन्दउत्पन्निइनछन्दविनुसमिर्वदअयववदयजुर्वदउत्पन्निउदाभयाइन...
...देविनुवाकिसंस्मृतिआदिनीत्कदाभयाहेअगस्त्यमुनीआहापछिमहाविष्णु...
...इनसन्नाशभृष्टिगगानिनिनलेइश्वरकाध्यानगरिकनदेवअधिभृष्टिग...
...कोनकोनहुनुभयासन्कसनतनसनन्दनसनतकुमारकपिलमुनीब्रह्माआदिग...
...श्रीनारायणलेभृष्टिगदाभयाहेअगस्त्यमुनीहेअगस्त्यइनदेवअधिकस्तभन्यामहा...
...सीगयाकाआफ्राआफ्रावतविषेरयाकावडाधर्मिहभयाकासमूर्णलोकलाइध...
...कोउपदेशादिन्याभयाकाहेमुनीइविश्वसंसारआदिवरद्वारागिकनधारणागरिह्या...
...हेअगस्त्यइनभृष्टिकावार्ताविनछछगरिसुनआहापछिब्रह्माजोछन्दनलेस...
...प्राणिउत्पन्निगगानिनिनइश्वरकाध्यानगरिकनसप्तअधिभृष्टिगदाभयाहेमुन...
...इनमप्तअधिकानामकहहुंसुनमरिचोअत्रिअगिरापरमपतपुगेहकोस्तभवसिह...
...सप्तअधिभृष्टिगदाभयाहेमुनीइनहेअगस्त्यआहापछिफेरिपुनवारभृगुजे...
...अगस्त्यअदगरिभृष्टिगदाभयाहेमुनीअहइनकस्यपदेविनुदेवदेव...
...उत्पन्निउदाभयायतिजोछन्दब्रह्मालेआफ्रामानमिभृष्टिगदाभयाहेअगस्त्यइनस...
...अधिदेविनुदेवअमुरगंधर्वयक्षराक्षसनागकिन्नरसिद्धवारणगुह्यकविद्या...
...अपुसरासाधकगरावायुगराभूतप्रेतपिशाचादिमनुष्यभृष्टिगदाभयाहेमुन...
...इहसमूर्णसप्तअधिदेविनुभृष्टिगदाभयाआहादेविनुसप्तअधिभृष्टिगरिसका...
...यछिब्रह्मालेइतिलोगकाभृष्टिगदाभयाइपनीब्रह्माकामानमिपुत्रहुनुभनीकुमार...
...अगस्त्यअधिप्रतिकहदाभयाअगस्त्यउवाचाहेसेनाअहकुमारआहनीरमे...
...नमग्यारामदेहउदाभयाकसेगगिभन्याअगिराहवनाशकिलकसेगगि...
...भयाफेरिसप्तअधिआदिलेशक्तिविनाकसेगगिभृष्टिगदाभयाब्रह्मासीक...
...काहपालइक्ष्वासक्तिपायाकाछन्इनअविहस्तलेशक्तिनभेकव...
...गदाभयाकसेगरिइनहसर्वजनयाकाहुनअसनीमिनलेमेराभन...
...याकोहोहेकुमारइवरवरप्रागिसिवसमानभनीएस्तोआम्पगनुभ...
...मनमासन्देहलागीहेहससदेहकनमेदिआम्पभयाजगत्सभनीस...
...अगस्त्यविलेकुमारसीगअगगागदाभयाहुरादउवाचाहेअगस्त्य...
...अधिभृष्टिगदाभया...

मनमासन्देहलागीहैहै एससंदेह कनमेदिआगपाभयाजगदस मनसि
॥ अगजमविलेकुमारसंगआगपागदीभया ॥ स्तरादउचान ॥ हेअगस्य
काभृद्विस्थितिसेहार युगयुगतप्रम नमर्यादासीगुहेहेअगस्य
संगतमस्याकातेजभयाकाछनसोहित पस्याकातेजलेगारिहेअगस्य
इमारागिकास्मरणगारिकनशृष्टिगदीभयाहेअगस्य इतअगस्य
गोवडातपस्विभयाकाभुतभाविष्यवतमानकनजन्मभयाकाहेअगस्य
कनकाविभयाकाहुनएसमातपात्रिलेसन्देहमानुपदेनहेअगस्य लनचारि
हेअगस्यगारागिगिनि ईश्वरकाभजगारिकनअनेकशास्त्रपुराणादिहेअगस्य
दिअगस्यत्रिगैत्रआक्रमरिगवाटप्रकटगदीभयाहेअगस्यमुनीइजगारिहेअगस्य
गोवडातपस्विभयाकाहुनभनीतिलेमसीगअछगयोसोकराकहेछुमाहेअगस्य
नमहापुरुषकाहुनभन्याईश्वरकालिलाभयाकाहुनसुनहेअगस्य
काकदेतलोकसमस्तप्राणिनासभयाकावेलाभापरमाताहुनहेअगस्य
पानभयाकाधीनारायणाजोछनशृष्टिगदीभनीमनमाविताइकपरम
इकाध्यानगारिकनआक्रामुरवारुन्देखिनमहापुरुषएकजनागारिहेअगस्य
कगस्यमुनीसुनइनमहापुरुषमजोछनधीनारायणकाअगाडीहेअगस्य
विनिगदीभयाहेपरमेश्वरनारायणक्यागिभिनमलाइअकटगगहुन
लकागनुपन्याआपाप्रसन्नभयाजगदसभनीविनिगपाकामहापुरुषकाहेअगस्य
मुनीकनधीनारायणाजोछनआगपागदीभयाहेमहापुरुषएसससारमदिवता
आदिगरीसमस्तप्राणिनासभैरखाकोछतसनिमित्ततिमिलेएससंन्यासाद
वतदेतलभगदिगारिआरिनिशृष्टिगदीभनीआगपादिकनधीनारायणजोछन
अनाध्यानजुदाभयाहेअगस्यसुनआहपदिइमहापुरुषजोछनधीनारायण
काआगपासुनीकनशिरमाधाररागागरीशृष्टिगदीभनीमनलेविचारगारिकन
अहंकाध्यानगारिकनशृष्टिगदीभयाहेअगस्यपैलेकवाशृष्टिगदीभन्याइनम
हापुरुषकाशरीरदेखिनजलउत्पत्तिहुदाभयाइनजलदेखिनभूमीकाउत्पत्तिहु
दाभयाइनभूमिदेखिनसुमेरुआदिपर्वतउत्पत्तिहुदाभयाहेमुनेइनपर्वतमाकुशल
माफलफलाअधुधातुयोयोधेआदिउत्पत्तिहुदाभयाहेअगस्यएकवीरभैरव
इनमहापुरुषदेखिनअनेकवस्तुकाशृष्टिहुदाभयाकोनशृष्टिभयाभन्यदेखि
नमहापुरुषकाहृदयकमलदेखिनचन्द्रमाउत्पत्तिहुदाभयाहेदेखिनसूर्य
पत्तिहुदाभयाकार्ददेखिनआक्रामउत्पत्तिहुदाभयाभरवारुन्देखिनअन
उत्तिहुदाभयागारिकादेखिनवायुउत्पत्तिहुदाभयाइनमहापुरुषकाशरीरदेखि
नस्वगतउत्पत्तिहुदाभयापाउदेखिनपातालउत्पत्तिहुदाभयादाहिनाधुल
लाउत्पत्तिभयावामवाडलेविद्युउत्पत्तिहुदाभयाइनकाजिवात्ताधिरनामाहेअगस्य
वसन्तिहुनवेदादिपुराणइनकावचनभयापुराणादिशास्त्रइनमहापुरुषका
अंगभयादशदिशाइनकापाहुकाकाअंगभयापर्वतआदिपत्तीहुदाभया
नकाअभरणभयाहेअगस्यइनकशान्तिआदिशान्तिहुनइनकाजामय
सहेअगस्यइनपुरुषकाकेलेपनीनासहेनमृत्युहेनमहाकालभन्याकाहुनहेअगस्य
अहंकाअगस्यइनकरापातकिपुराणमाहकलाइनकहनुविद्युभनिकाशिवभनिके
अहंकाइवाहकअमलाइनकहनुहेमुनेमेरावावामहाहृदलेगोयेअगस्य
अहंकाहुनइनकराकताहुनभन्याहृदयमन्त्रजस्तोगुप्रगारिसुनपदहुनाहेअगस्य
अहंकाहेअगस्यअहंकाहेअगस्यअहंकाहेअगस्यअहंकाहेअगस्य

[illegible]

इसुन इ प्रसन्न भया जावस हे कुमार फेरित पात्रीले हीनालय पर्वत कछे
रजाति पन गिको टिको टिको प्रमगले भया का छुन भनी आगपागर्त भयो
नकार रागे इन हिमालय का स्थिक स्थिक छे रि हुन कसो गरि विवाह भया
हे कुमार के न देवता ले वरदान दिवन सब पर्वत का राजा भया जो हुन ही
नालय ले क्या नी नी नत पस्या गयो यो कुरस नस्त मला इ कहन हव भ
अगस्त्य भविले कुमार सीग विनिर्गद भया सुता अगस्त्य का वदन लनी
कुमार जो छुन हासिक न आगपागर्त भया ॥ स्तरा उवावा हे अगस्त्य
गो गरि सुन ॥ बकाल विषे मन मुउ पर्वत मा मेरा आगडी मेरा वदनी
तइले गेना प्रकार सीग आगपागर्त भयो तसै प्रकार सीग मैलो पात्रीले
हे सु सावधान मै सुनु हवस हे अगस्त्य ॥ पूर्व काल विषे प्रलाले इ प्रलाले
हे अगस्त्य गिरा व्या काथी सात सबेला मा इष्ट दीड कमगा इवला ॥
॥ अगस्त्य गिरा पराग जो छुन महाशरीर भया का कुर्म को अवतार लिखा ॥
॥ इन कुर्म का शरीर कला भया अति विस्तार भया का हाड खुला ॥
॥ का वज्र हे अतिकठोर भया का हे अगस्त्य इन कुर्म का पृष्ठ को वप
॥ विस्तार भया को छ भया इस कोटि योजन विस्तार भया का उइ कोटि
॥ वसुधा को सुता कुर्म का देह भेइत एथी कन धारणा गर्त भया हे
॥ नहा कुर्म का माथी वारु यज्ञ रुषि वर एष्टि माताले सहित ॥
॥ ये आका दाहले धारणा गरि व्या का छुन हे अगस्त्य सुन परम
॥ प्रग जो छुन यो वन इस भवन श्री गारणा नी मेन सुता शरीर धार
॥ भया इन जीन पराग काना भविष्ये तिन तला भया को कमल सु
॥ भया का छुन ॥ पञ्चकस्त भया ब्रह्मा का उत्पत्ति स्थान भया का
॥ सुत सहस्र पञ्च भया का उदर ॥ अंश शरु विंडले संयुक्त भया का
॥ नान भया का हे अगस्त्य इत पञ्चका कति विस्तार छुन भया दस कोटि
॥ विस्तार भया का ॥ इत मले कामध्या भागमा ॥ इत कागद जो छुन ति कति
॥ योजन क विस्तार भया का छुन स्वत पञ्च सहस्र पञ्च भया का सुता पञ्च श्री नारा
॥ नारा काना भिमा उत्पत्ति जुनाले श्री नारायण जो छुन अत्यन्त शोभाय मान
॥ का छुन हे मुने इन पञ्च विषे ब्रह्मा अर्द्ध गरि ते तिस कोटि देवता हन जो छ
॥ न एसे नारायण भया सप्त पञ्च सप्त पाताल सुते सच वत अर्द्ध इने पञ्च विषे
॥ श्री पुन गरि व्या का छुन हे अगस्त्य इन पञ्च का दल जो छुन एक एक दल स
॥ सव पातन का प्रमाण भया का छुन सुता पञ्च कामध्या भागमा वीधात छला
॥ तेष दाम कोटि योजन विस्तार भया का ॥ श्री व ॥ अर्द्ध गर्त भया हे अगस्त्य वि
॥ ति स्थिर गरि सुनु हवस इन इष्टि विना खड्ग दिगता पर्वता का देह भया का आ
॥ गारा हलिले अवेति कन राधा को छ फेरि इन पृथी विकाम्ध्य भाग विषे जनु
॥ न अर्द्ध गरि सु प्रदीप वना इष्ट व्या का छुन इन सप्त दीप विषे हेनालय अर्द्ध
॥ न एसे नारायण कोटि पर्वत लयी विराधा का छुन हे अगस्त्य फेरि सहस्र कन भया
॥ का शरीर गले इन पृथी कन वेदिकन फेरि जानन सक न्या गरि व्या का छुन
॥ हे मुने इन सप्त भाग का करण ॥ पाताल का उरा कहि छु सुन इन मन्त्र मरा डल
॥ कामने वार पाताल नाम भया का छु इन पाताल कला छुन भया प्रलय का
॥ नया हे इन पाताल विषे न सु सु पदेन वत पती अंधकार भया को छेन कसो ग

[illegible]

पुत्राप्रको पदार्थसम्पूर्णवलीराजाले हरगगरिलीन्दु फेरिसलाले अधिगमा
को पुने पनीवलीराजाले हरगगरिलीन्दु हे असनीमिनमनुष्य आदिले
द्वयान् पितामहादित्वाद् वर्षवन्दन आदिपिराडिद्वयावधन नः अधिधा
दिनदेवित्रपवित्रभूकन आश्रुविज्ञानुशास्त्रा आश्रमभक्षपदाद्यवनः कन्दपि
राष्ट्रदिनु गाङ्गोरीस आदीन् आलरगत्वा भोजनगारा उदक्षिणादिनु विष्णु
कामावनगागि अतिता अभ्यासिताइ पुजागर्तु एस्ताप्रकारगन्धामनुष्यकास
कनवळ ला इहलोगमा सुयस्सपत्नीका प्राप्तिभक्षपदार्थोक्तता वै कीठवास होला
भनी हे अगस्त्य पातालमा इत्याकर्म कोदिकोहि छेन कयाकर्मका स्थान
को माको मत्पमिराड हो हे मुने जे पातालमा वस्त्राका दैत्यदानबलोक हसले
आलाइ वतमानगन्धका छन भन्ना मनुष्यहसले पापकर्मले नगर्तका
कागर्दछन् पितृदेवतागाइ ब्रह्मराकनमान्ने गरवैन एस्ता मनिह
अतिधर्म आदि हरगगरि दान्छन् हे अगस्त्य पातालमा वस्त्राका वास्तु
देनागले वलि आदिगन्धका दैत्यलोक समग्रकार सीपगप पुने नन
गन्धको विचारगगि भक्तमान गदछन् हे अगस्त्य इन वलि राजाले हि
तनगामी महादेव कालास्या दिव्यदस हजार वर्ष समगर्द श्रीमहादेव
सम्पूर्ण दैत्यगगका राजा तुल्याइ कोने सनुदेधिन् पनी भयन दुन्यागि
नकन दिया का छन् हे अगस्त्य इन वलीराज गि शिवका प्रशादले इन्द्रादि
धिन् पनी एस्ता मृत्पुद्गेन विषे सले सिव विष्णु का भक्त भयाका एस्ता
नाहुन् इदमन् वलीराजागे छन् अद्यापि श्रीवावराणा रायराकन
रिपातालका अधिपति भैवस्त्राका छन् हे अगस्त्य पातालका वात
भव उग्रान्त इने पाताल देयित्मनी बाटकार सातलका दत्तक हि
गगिरि सुन हे मुने एस सतल विषे सिलामय भयाको छ कति दिव्य
छ भन्ना पदास कोटि योजन विस्तार भयाको अतिमना हरभयाका
अले प्रकाशमान गन्धाम्हे नागको मणि को तेजले वतु दिगे मा प्रकाशमान
याका छ हे मुने एस सतल लो गि विषे महापद्मनाइ भयाका नाग राजा वस्त्राका
इन का गृह कला छन भन्ना भूत रत्नले वना राव्याको कोटि कोटि नाग नागि
भुवागाराइ वस्त्राका हे मुने समस्त नागका राजा महापद्मनाम भयाका ना
हुन् इन्हा पद्मनाग कला भन्ना तत्त्वका जस्तो वरा भयाका तिन गो गनी
भयाको एहितीन गो टानी धारवीस भुल पञ्च शीयका दिनु भयाका छन् फेरि
हनी धारवीसे रत्नमणिमणि द्यले भयीतगरा इराव्याको छ स्वर्गका मकुट
गि कन साध्यात अनन्त मुर्ति तारायरा विराजमान गन्धाम्हे अत्यन्त शोभायमान
ने विराजमान भयाका छन् फेरि आका कु राइलाकार गरिक नरत्तका सिंहासन
मा वसिधवल छन् ले वळिकन भूतवत्तरले हकाइ कोटि कोटि नाग हसले भुअ
गाराइ परन आनन्दले वस्त्र का छन् हे अगस्त्य इन पद्मनाग जो छन् शिवका भक्त
भयाका छन् सद्यकालमा श्रीमहाहृदका पुजा गरि रहि हे अगस्त्य इन महापद्म
नागराजाले पात लकन धाररागगि वस्त्राका छन् इनका तेजले यार सातल जे
सदा सर्वदा प्रकाशमान भयाका छन् हे मुने इत महापद्म आदि कोटानको
दिनाका आहारिका हो भन्ना जे सदाइतमा मनुष्य आदिके धर्म उपवास
आदि गरवै नराज भेकन हे मयजदान पुरा पन गन्धाम्भयाका अभ्यासले जज

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

हरणगदं धरु हे अगस्त्यः स्त्रिंशतिर्ये पत्नी आक्रा पुरुष का वचन न पाइत । थमा
 मा उपवासगली पुरुष लाइ न छाइ आफले मात्र बाता एस्ती स्त्रि की जन्म जन्म
 पश्यन्तगन्ता का पुने सुख सुख प्रह्लाद ले हरणगदिली छे हे अगस्त्य फेरि पुत्र पोत्र
 हल ले पिता पीता सहकन प्रजिया लन गरि आफले मात्र एकान्त माइत सुख भो
 गगरि वरुदा एस्ता का पुने प्रह्लाद ले ली छे फेरि पिता माता ले केरा केदि जा
 इति भाव न गरि आफले मात्र बाइ हर हमा एकाधर्म पत्नी प्रह्लाद ले हरण
 गर्त न हे अगस्त्य आफ्ना अर्जुन चारु राइलगाइ एक भाग देवत । ती ई ईक भा
 ग भुव को ई एक भाग पितर बाइ एताइ एक भाग होरा । ती पत्नी का इ
 र्ग गळे मा आफले भोग गर्त दान पापार्त । एस्ता का हविषे दैत्य दान वर
 वीत सकन्या छेन इह लोको सुख सम्यती को जति भेक न जस काल न
 त होला हे अगस्त्य पश्यन्तगन्ता लाइ धन धन भु । इन का हमा
 दान ले पुरुष ले केहि वस्तु क पत्नी हरणगदं सकन्या छेन । एस नी निन दु
 सत्तु क मंगु पदं साधु सुजु न संग को सत संग गर्तु पा । हल न
 का वचन को प्रमाण गरि ईश्वर का भक्ति गर्तु हे अगस्त्य इत प्र
 का वचन श्री महादेव का गप स्याग विवर प्रसाद पा । हल न
 का वचन मरम आनन्द संग काल को उक्त मान ग । वरदा भय
 गस्त्य मयि लाइ कहें दान या हे अगस्त्य आह पछि एस्तो पत्नी
 का वचन भया को पाताल छेन ताह को दान न कहें छु एक वीत भे
 का वचन कस्त । हमा पश्य का आकार कमल फल का प्रसा
 तला पाताल देखि न मनी वाद को यो महा नल पाताल हो हे अ
 का फति वी स्तार छ भन्या पदास को पियो जत विस्तार भया को
 का उक्त । का छे सप्ता पाताल सबे वरे वर प्रमान का छे । पश्य
 अतिम तो हर भया को छे फेरि अने कपु वर त भणि मानी क का
 को कोटा कोटि सुख भया नै सदा सर्वदा जा ज्वले मान भया का छे । कोटि
 प्रमान ले रत्न मती मानी क का हवना या का छे । एस गहवी धे को सि
 वनाइ रया का छे । इन गहमा कोट रत्न नागिनी ले सही त भे श्री अनन
 नागराजा सुख भोग आनन्द संग वा एज मान भया का छे । फेरि एस स्यावना
 अती राज गहवनाइ रया को छे । एस राज गहमा रत्न मुनि मा की के का ग
 न आदिव नाइ रया को छे । फेरि एस राज गहमा अने क वदे वा धरा दोतर
 आदिव नाइ रया को छे । फेरि ठाउ रत्न को सिद्धि क नाइ रया का छे । एस
 राज गहवी धे हजार नागिनी हल रत्न रीवा ले । ई को । रत्न गले स्तुती गर
 इ ह गोर पत्नी आफ्ना मस्त क माधार गा गरि रातो दिव श्री पाव वधु श्री
 हा ह का ध्यान वसे क पुरा । अननन्द संग धि एज मान भया का छे । हे अ
 रत्न मुनी । अननत नाग वधु भया पश्यत बो स्य समान भया का रत्न पश्य न कु
 लता का कवच क राइल ले भुग गगन का आक्रि स्त्रि अनन शक्ति वा सीग
 माग वि साक्षात् त दक्षिण नारायण की राज मान भया हे नाग लोग का मध्य
 भाग नारत्न सिंहास गगन धित सींहासन मा वसिक वडा सभा तुल्य क
 पाप आनन्द संग वीर राज मान भया का छे । हे अगस्त्य इत अनन का ध्यान क
 का वचन श्री महादेव का गप स्याग विवर प्रसाद पा । हल न

भाग्यमार्गसिंहसहस्रगंधितरसिंहसहस्रमावसिकवडासमातिप्राप्तिक
प्राप्त आनन्दसंगवीरगजमानगन्याकाछुन. हेअगस्त इत. अनन्तकाध्यानक
लोकोभयामुन. श्वेतवर्णसहस्रशिरभयाका. पञ्चपत्रसमानमन्त्रभयाका.
अधस्तनत्र. लालनयाका. सहस्रमस्तकरीवेपथ्रकावीरभयाका. अतिमु
न. प्रतिभयाका. जतीहेयाप्रतीहेननपुगभयाका. क्षासीतकामदेवसमा
सुन्दरसहस्रपद्मेशान्तिभयाका. हजारैमुखलेश्रीमहादेवका. जपध्यानहा
काछुन. हेअगस्त. पुर्वकालविकेइत. अनन्तलेतीराहारभेकन. दस
वयन्तश्रीमहादेवकातपस्यागया. काहाकोनस्नानमस्तवस्याग
काहेविह. हिमालयपर्वतका मुख्यश्रीगभयाकोवडीकेदारभयाका. काश्
तमानमन्त्रगरिकन. दशहजारवर्षसम्ममहाकृष्णलतपस्याग
संतपस्यालेधीमहादेवसंतुहभेकन. इत. अनन्तलाइपारवारनभेवर
सन्त्रभयोहेअगस्त. एसनीमिन्न. इत. अनन्तकावलपराक्रमकोभस
गारछेन. एसकारगलेइत. कानामेअनन्तभनीप्रध्यानभयाको
नन्तकलाभया. इत. ननुइशभुवनकाठाकुरभयाका. शाध्यातब्रह्म
इत. अनन्तका. आदिअनन्तश्रीमहादेववाहक. अरुदेवतालेजानेनने
इत. अनन्तकाकेलेपुनीनाराछेन. महाप्रलयकालवियेइत. अनन्त
कागारे. श्रीमहाविष्णुजोइत. शयनगदछुन. इत. महाविष्णुवियेसमस्त
आदिगारिसहस्रदेवलोकापनीलितहुन. तेनुनेएसवेलापनी
एसजलामस्त. अनन्तराग्यागरे. जगत्पानाश्रीयोगनी. इत.
ले. महाविष्णुने. शयनगदछुन. हेअगस्त. एसवेलापकेहिरण्य
इत. महावीरन. श्रीविश्वेश्वरमहासूकराशानकाशिनानभया
पुन. महाशेखरयाछु. इत. काशपुनिकरोगगिरइलाभनोलाहेअगस्त.
श्रीमहादेवलेहिलमा. नोकन. शानायाकाकाहुनाले. इत. काशिपुनिकी
केलेपनीनसछेन. फेरि राभलापुन्या. वाकाएसस्यानकावासहोला. एसनोमी
नले. इत. अनन्तकाध्यानसुसोहो. नीसेलेपनी. आकोलामर्थछेन. मेरापिता
श्रीमहासुइलेमेलारकतनुभयासम्म. तिमिलाइनेलेकहाहेअगस्त. इत.
अनन्तले. छालापातलकन. आफ्रामस्तकमारायो. श्रीमहादेवका. आगप
लेआरथोविदस्याकाछुन. कोहिकालमगध. मनुक्षलोकलेदानधर्मगरवेत.
फेरिमनुक्षलोकलेमिथ्यादचनबोधका. अगम्पकन्यागनीलाइ. मनुक्षलोक. त्रिभु
वसवकोइहपाहोला. एसवेलापमाअनन्तनागलेश्वीसफेनने. सहस्रफरगा.
जिमिनापुन्याइ. श्वासफेननतसनेलापमाभुनिकमुमानहोला. हेअगस्त. फेरि
मनुक्षलोकलेअर्काकोनुकलिंगली. अर्काकावर्तकीलोभगली. फेरिअर्का
काखिमनलाइ. बलातकारसीगडुवदिकन. त्रिकाधर्मबुकाइदेला. फेरि. म
नुक्षलोकमा. सुजगत्भेकजातकीखिलुल्याउला. सुजात. त्रिलेकजात. सुहय
तुल्याउला. एसपापलेपृथ्वीकनठलेभारहोला. मनुक्षलोकलेगाइवाला
देवाकन. मानगरुने. स्मृतिशास्त्रकाप्रमानमावेन. तंत्रमंत्रजपध्यानइ
वालकन. त्यागगली. फेरिसाधुसज्जनधर्मिहपुन्यात्माहस्तकनलोकलेनी
गली. एसपापलेपृथ्वीकन. असंख्याभारहोला. फेरिसहस्रबीमारजात
गर्तुपन्यातितीर्थगलेप्रजाप्रतीपालगर्तुपन्याधर्मछोडीकन. आफ्रामरुदे
मगन्या. अनीतिकर्मकनगर्तन. फेरिगताभेकन. यत्नगन्या. अनीता. इत.

गुल्मी. एसपापले पृथ्वीकन असध्यामारा होला फेरि सतह धरमार दे
गनु पर्ना तिती धर्म ले प्रजाप्रतीपाल गनु पर्ना धर्म छोडी कन आक्रामक रहे
मार्गा अनोरी कर्म कर्मागर्नन् फेरि राजा भेकन यत्न नगर्या अनोतां जे
गर्नी अधर्म लघत संपति लागान गर्नन् एसवेला भा एसपापले पृथ्वीकन
होला कहउन्छ हे मुने फेरि मनुअहरू ले देव ब्राह्मण राजा का सेवानागद
हे मित्र रूप रहले आक्राकुलार र दिदी कन अकाको धर्म विषे द
एसपापले पनी पृथ्वी माता लाइ अत्यन्त भार हुन्छ हे अगस्त्य मु
भेकन जान संधा हो मज पयस देवता का पूजा छोडी कन पा
नै गरि वति गुरु मात्र लिना फेरि ब्राह्मणिकन छोडी नीचा मार
एत नेगी कन तसका हात को पा के घाइ आक्राब्रह्म छोडी रहम्हा
गगना छि अभा दस भे उग्र भदा वस्तु भक्ष गरि कन हिडला
सस्ता चलि भ सापछि एसा देला गा पृथ्वी माता ले सहन सकी न
फेरि मनुअ लोक ले गा ब्राह्मण लाइ डुव देला अका काये तस
धर्म दा दो रिघाला अका की वाली नाली बीगा ही दिन भ सु
माता लाइ ठूलो भार होला हे अगस्त्य मुन मनुअ लोक ले दो
दो रिघाला गा ब्राह्मण लाइ इति गरि राधा को आफु ले धर्म
ननुदान गरि राधा का वस्तु लि खाला फेरि राजा कवरु तव
एसपापले पृथ्वी माता लाइ ठूलो भार होला हे अगस्त्य
गा ब्राह्मण रादे सितु लाइ अपनारी गुस्खा को पुनि माप नो दोरी
फेरि बन्द स्वयं याम का देला गा दान गरि राधा को पुनी पनी दोरी स
का एसपापले पृथ्वी माता कव आत भार होला एसवेला भा मु
होला हे मुने फेरि मनुअ लोक ले दुख दुःख पिता माता लाइन घाइ आफु ले
मात्र घाइ हला फेरि गुरु विषे अकर्म गर्न गुरु शेहि होला एसपापले पृथ्वी
कन असह्य भार होला हे अगस्त्य फेरि मनुअहरू ले पिता माता पितामह
पितामही काम तुभ पाका दीन साम्बत सरि पीरा डदन गा गरि आफु हरु ले
मात्र घाइ रहला फेरि द्वय भेकन पनि पितृ का साम्बत सरम पिरो डा दे देन
गोग्रासन दिया ब्राह्मण भोजन गर वैक एसपापले पृथ्वीकन अत्यन्त
नगर होला हे अगस्त्य एसपापले मिश्र दामा भार भे अन्न नाग काम हा योग
ले स्वास फेरन एस स्वास का वायु ले इष्ट्वी कंपमान हुनन् हे अगस्त्य फेरि
अगस्त्य फेरि कहें छु मुन एस मन्य मरा डल्ला अनेक रुप या विधी स्मृति अष्ट
दशपुराणा दिक्क वचन नाधि कन मनुअ लोक ले आक्रामन परदा का लगन न स
धुस जन कन दुख दिनाइ साधु राजन देव गुरु गाइ प्राप्ताग कानी दान नै एस
पापले पृथ्वीकन महा कष्ट होला हे अगस्त्य फेरि मनुअ लोक ले आफु ले जो न्या
जाने देव दा देखे अकर्म पाप गर्नन् मोहि ले टली को बो टिव वर दोरी घाला
जिन ले पनि आक्रा गुरु विषे शे लगन न मंतु ले राजा विषे शे लगन न एस
पापले पृथ्वी लाइ अशक्त भार होला हे अगस्त्य फेरि ब्राह्मण रहले आक्रा
कन जान संधा देव तपन अधिक पाया पितृ तपन यत्न गापन प्राप्त कृत्य सा
छोडी कन गर्नु कर्म गर्ना ब्रह्मण भेक आक्रा कर्म हुन आफु ली ल

को कननगनु कर्मगती वृत्तगर्भक आफ्ना कर्म कृत्य आफ्ना लो जने
को भले सेवा गङ्गा गन्तु एता देता मा पृथ्वी माता ले यो पाप सक्त
हेतु नी फेरि गजाले पनी अनाको सुख दुख विहा गारे देन न
पमान गर्नु वृत्तगर्भकन दराग गर्नु असत्य जनी ले धन
दादा उगरी धन ली ना क फेरि रुप यो भन का वलि याम त्रि हेरि
को वी चारन गरी आफ्ना लो छि गरी रं चन न ए स पाप ले पृथ्वी
भार भे कन अको स्कंध मा पृथ्वी कन सान न त सब लामा स भे पाता
होला हेतु ने सुन फेरि मनुष्य लोक ले कुजाति भे दाल गी मनुष्य
गकि छि गती कन गमन गर्नु फेरि दी स आदि छारु गजा कन मा
पाप ले पृथ्वी माता कन असुख भार होला हे अगस्त्य फेरि मनुष्य
माता अधोर अधोर पाप गती दाजु ले वेनी छि तुल्या उला
दुख गती दाजु ले आफ्ना पुत्र कि छि पुत्री छि तुल्या उला हे
आ आफ्ना पिता की छि कि आमा छि तुल्या उला हे अगस्त्य
माता उला माता वाहेक न सोध वसु सानी मा दि दि वेनी दन
कथ द हुरु ले छि गर्नु गुरु कि छि लाइ पनी मा दा जा नै छि तुल्या उला
सुख का छि गुरु ले छि गर्नु हे अगस्त्य ए स पाप ले व्याहो लाभ न्या
माता का शरीर दग्ध होला ए स पाप का भार ले पि वी कन मुछा दुख न ए स
पाप ले सप्त पाताल मुद्गा गरी भुमि कंप मान होला म हा भ दान क हा भुमि
न मा ज होला हे अगस्त्य फेरि मनुष्य लोक ले कस्तो कस्तो कर्म गती भन
प्रद मगा का इव्य स्ववर्ण आदि जो रिलेला फेरि वाल रूप गर्नु गर्भ पत
न गती ए स कन वाल हत्या भनु फेरि धन का ले भले बाल ब कन माता
फेरि छि हत्या धन कालो भले छि पानी न द्रव हत्या धन कालो भले द्वा
ल ग कन माता न गो हत्या गाइ गरी भ दोगार्नु इपं गत इ पात क
ह पात क महाघोर पात क हुन इ पाप क हा पाप नी भुक्त हुन यो पाप
पाप मा गुरु पाप जप्ते गती त स मनुष्य क दरो वना म नर क विषे क त्य क
थाना पयं न वास होला हे अगस्त्य ए स मनुष्य को को ले पनी उवा ए
पा ले न म हा प्रताप काल भयाप छि मात्र ए र्का उवा होला हेतु ने ए स
थी मा मनुष्य हुरु ले एता १० कर्म गत्याप छि ए स पाप ले पृथ्वी माता ले
सक्त न कि कन स्वरा मात्र फेरि कन पृथ्वी माता ले उडा त ले पृथ्वी
इल म हा हो गरी ह मा फेरि पृथ्वी म सक्त म भवि श्री वरा हर्ति ना सुय रा क
खार रु द ले कन नेत्र वाट अक्र गि ए कन महा क १० पृथ्वी ले स्तर ए ग
हुन हेता ग द्वा ए न श्रो वरा हस पि ना ए पण अव द ना श रक्षा ग न्यो वे ला भु
१० श्री कन नेत्र प्रका उ उ ला गी ए स मनुष्य मा उल मा व त्या म नु क्ष लो क को
१० का भार से ले वो कन स किन म हा शरीर मा यनी ए स पाप ले द्वा इ कन
लेला पनी हे भय वन मी बाहि र हे ईश्वर म कन ए क्ष ग गर्नु ह वरा भनी
१० एता ग धु छि ले ति नि गो न्या का भाषा सुनी कन श्री वरा हस पि ना
१० न ल उडा हु ले पृथ्वी कन अंक मा ला गरी कन उवा हु ले पृथ्वी
१० गार्द हुन हे अगस्त्य ए स्तर हस ग वरा हस पि ना उल ले भार था न्द

[illegible]

[illegible]

उपवासगर्भक आकाशस्वधाम्निमावसिन्धु
 रापीनृविद्येभावभक्तिवत्तला दुविदारीदेविकुनदपोकह
 हेअगस्त्य इससुर्गधर्मभन्दाठलो धर्मकाहोभन्पा परेउपवास
 नुसमानकोपराजेकेछिने शास्त्रपुराणवेदज्ञत्वाइत्यादिकावचनछि
 जस्यदुविदारीकोउपकारमर्ता आफुपनीस्वर्गजायपाजोछि तमनीमित्त
 जोत्रिपानिजिनदत्त वडाधनप्राप्तहुन तस्तस्ते आकासकषप्रमाराअकवि
 पकारगर्भराहिछि हेअगस्त्यजोनाले दुविदारीकोउपकारगर्भदु उस्ताअ
 मनुज केलेसुपरीमाटसहोला फरीएस्तामनुज कजनसु मापतीव
 उक्त आजन्महालावधनवेनभेभागले जु तभेकनध महुहोला
 ईश्वरविद्येभक्तिभावहोला एस्ताकासनान शिरभेरहला जनकाला
 केलाइप्राप्तिहोला हेअगस्त्य एस्तामनुजपुनवारमाताका भमातनकी
 उपन्याहे ईश्वरविद्येकीनहोला हेनुनेइससुर्गकाभूत
 राजधर्मिष्ठभया सम्पूर्णविधिप्राप्तिप्रजाहतादा
 ताहापछि एस्तापुंरापात्मापृथ्वीविद्येभयापदि वय नयमा लक्ष्मि
 नाफेरिपृथ्वीमाता आदिगरीकनमहातलमाविशतम नभया जाज
 आदिनायकाभारा हुहुहोला इससुर्गकासुलराजाहुन राजधर्मिष्ठभया
 समस्तवछियाहोला पुजापनीविधियाहोला ब्राह्मणहृत्पनीसुखेअफ
 ना २ कर्ममावसिकन यत्तमाहापस्यमार्गनरु पृथ्वीमाताकापाय
 नदहोला हेमुनेमहातल अगिसत्रपातालकाभूमिदोषभपीउ ईश्वरा
 गन्धर्वाविधिपूर्वकलेकयो अवमहातलनामापतालका नभयाका
 ह्यगृधनामादेत्यकाकुरकहहु हेअगस्त्य इत्यगृधनामादेत्यकरताया
 पुरापात्माभयाका श्रीसदाशिवकाभक्तिगर्भ नयाका पृथ्वीमाताका
 ईश्वराभयाका इत्यगृधकस्ताभनाकोटिदेवतासेनेने नभया
 का इत्यदेत्यलेसेवागरा इत्यमयुर्तिहासनमावसि नभयाका
 धरागरिदिव्यकववलायाका कोटि कोटिदेत्यलेस्तादेगरा अक
 धेनवलक्षताराकामध्यमावन्दसूर्यकाशोभायमानभयान्त्रे अक
 मातलेमानगराकन देवरज इत्यकासभयान्त्रेसमानु लक्षकनभयान्त्रे
 कनभयानगरिसुखेलेकालवितितगरिवस्याकाछु हेअगस्त्य
 देकालमा हिमातलपदतमावसिकन श्रीमहोदकतम
 देहाहजारसम्पत्तकप दलेटेकिउधमुरव हेहामात्रआहा
 कलेतपरयागदाभया एस्तातपस्याले श्रीमहादेवप्रसन्नभेकननरद
 याकाछुन एसवरप्रणदलेदेत्यश्वरभेकन महातलपातालका
 एताभयाकाछुन हेअगस्त्य इत्यगृधकस्ताभनामावदयादे
 कनभयानगरिसुखेलेकालवितितगरिवस्याकाछु हेअगस्त्य इत्यगृधकस्ता
 अभियणमुग्ध आठजनदेत्यमहतीरवलपरक्रमलेरं युक्त
 कनताहपगृधकस्ताएकमहपुन इत्यहत्तयुगयुगकल्पांतकेमेम
 नभयान्त्रे हिमपुत्रयुपवतमातपस्यागरी इत्यादिदेवताकवमितिअन
 नेमाएजा केकनवस्दाछुन इत्येसकहकदातकयमसमानको
 कनलेसंपुत्रभयाको एस्तादेत्यहत्तलेसेवागरा इत्यमहातलपातालका
 धरागरिसुखेलेकालवितितगरिवस्याकाछु हेअगस्त्य इत्यगृधकस्ता

कनकसंयुक्तभयाकोसुतादत्तहस्तलेसङ्गरादमहातलपातालकनर
आगतिमुसनेकालविहितगरिवस्याकाछे हेअगस्त्यइनहृपगवकाको
दिरपरिवारखुनु फेरिदेसक विरुतपनीकोटि २ त्वक्षरखुनु इतदेस
कनकहस्तकलाइरभन्या सुकहकरतिसमानको परमसुन्दरिभयाका
रु अनेकखाने रत्नमाणिसम आभरणालाइकन दिव्यवस्त्रपहीरि कन
आफ्का २ पुस्तवलेसी गवसि सु सखले कोहिरत्नकाधरियाभासुमाका को
हिम्यालसोवसिरखाका कोही कोहिमावस्याका कोहि अनुराणावस्याका
कोहिसभाभासुमाको सुताप्रकाशे देसका विरुतमहातलपातालमाह
पगवकाशदाले परम आनन्दसंगवस्याका छर हे अगस्त्यइनहृपगवदेना
आदिका आहारा क्याहो गन्या मनीमराडलमामनुदा आगदले अभयले अ
ननगन्याकाइत्यले कितितनउल्लादान पुनेकनगली एस पुनेसापुन
यादवले हरगगगिलिंछ हे पुने फेरिगनुयपलेकले कुलगवकालमाह
नदारा नगन्या श्रीसूर्यग्रामसुद दारा मन्त्रान दाननगन्या सुतनम
पुष्काजलमनमपय्य तगन्याका पुस्तपुगगहृपगवले लिच्छ फेरिमह
नगन्यामनुदाहले इषिदरिद्रकापकारनगन्या आफुसांगभेकनपनी
लेनभनीमिथ्याववनवोलीकन नदिन्यासुताका पुगगहृपगवलेहर
रागदददक वालराहले पुनीजनमनहृसंगपतिग्रह आगदिलि
कन एस वस्तुनले आफुलेदाननगरी अर्काकोउपकारनगन्या
पुलेपनीप्रायश्चित्तनगन्या भयाका सुता दारागाका पुनेहृपग
लेहरगगन्या हे अगस्त्यफेरिगजगभे रजहंमनगन्या अभितिलि
प्रागदारागन्या प्रागादिपनीजीन्या सुतागन्याको पुस्तपनी हृ
पगवलेहरगगददक फेरिगिहृलेपनी आफ्का पुस्तवद हे अकेपि
मनु ल्याउमा पुस्तवलेपनी अगेके विवाहितगिहृ हृदे अकेलिहृ
इलाह सुतासुताका पुनेहृपगवले हरगगगिभोगगदद हे अग
फेरि कसेलेहृवस्तपनी गुहदेवप्राप्तरा पितरकन अनेके
नमस्वरोगिकनवाला मस्तालेगन्याका पुनेपनी वने
पुने फेरिकसेले भयापनीदानगन्या लेवस्तकदो वले
काकोपुनिसीगिलेला अर्काकोपुनिलिगगिकन अल्ला
अर्काकिसि आफुलेलेला स्त्रिपुस्तका रंघुवाउला फेरि वीर
नीमाताहु वाउला सुताका पुनेपनीहृपगवलेहरगगगिभोगगद
क फेरिकसेले भयापनी राजाको आगवातमान्या पितगमाता लाइमा
क गन्या सुताका पुनेपनीहृपगवलेलिच्छ हे अगस्त्यइनहृपगवजे
रु अमिहसुदकावरप्रशदले महातलपातालकगराभेकन
वरडलेकामनुदकोपपपुनेकोविवातरागिकनपगपिल्लाइदराडगगि
मुसआनन्दसंगसभातुल्याइसभामावसिकावविहितगरिवस्याक
दर भनीसेनाभेछकुमारले अगस्त्यअविप्रतीकहंदाभया ॥ रंकराद
वाव ॥ हेअगस्त्यमन्त्रपागदकोकुरादीमीलाइकहिसक्या आहउअने
महातलपातालदेविदुमुनीवाटका तागददद सुम अडाइसगगेदान

[illegible]

[illegible]

न्या देव द्वाभरणयितरगुह माता पिता न्या प्रमाणो न मुनू दान
न सस्तामनुक्षको गुरु भयापदि ससारे वनामगन्याको न क
मावास होला हे मुने ससनर कमा आन भयापदि कोने वेलामा पनीत
ले उदार देन मरु प्रलभ कामयापदि नात्र उदार उछ हे भुने पनी
सस्तामनुक्षको गुरु न प न्या उपाय कहंछु मुनगा द्वाभरणको भा
देवता पीतरको भक्ति गर्नु गुरु माता पिता को राजा को सेवा गर्नु अति
भ्यागत का पुजा मान्ने गर्नु इयि दारिद्रका उपकार गर्नु आक्राष्ट
भनुसार परो उपकार गर्नु पर्व पर्व काल विषे दान दान धर्म क
विष्णु जीव पृति गरी द्वाभरण पूजा गरी भोजन गरउठ अति अभा
त भिक्षु आदिला इ अन्न दान गर्नु द्वाभरण द्वाभरण को सेवा गर्नु र
महिमा चरित को वार्ता मुनु साधु सज्जन तानी हस संग सत संग ग
विषे भक्ति गर्नु हे मुने तानी साधु सज्जन संग को सत संग गन्या मु
इन्द्र मुद्रि प्राप्ति भयापदि तनु को उदय होला सान प्राप्ति भयाप
दि गुरु संग उपदेश लेला ईश्वर विषे भजन गला ईश्वर काम भजन गला
त पुण्य प्राप्ति होला एस पुण्य का फल ले वेकराठ सत संग केला स
विषे आनन्द पूर्व कब छ पाइला पुण्य का फल ले सस्तामनुक्षको माता पिता
पात्रिछ पाप का फल ले रै रव आदि नरक विषे वास हुन्छ भनी कुमारे
अनन्त मुनी प्रतिक हृदा भया ॥ स्मरण वाच ॥ फेरि कुमारे अगस्त्य मुनी
प्रतिक हृदा हे मुने सपुपाल को कुराति मिलाइ मेले कहि सका अदुष्ट
न ससत न्याम राउल देवि धात तला भया को स्वर्ग का दान कहुंछु मुन
हे मुने हे मुने मन्त्र कुमारे विष्णु कह्यो कह्यो कह्यो कह्यो कह्यो कह्यो
को कुरा ईश्वर पी धात ले पात्र इष्टि को कुरा यत्न गरी कनक
कनक मेले ता संदा पात्र गरी मरा धिता श्री प्रह्लाद संग कुमारे
द्वन्द्वे धिन मुन्या को छु नस्तान रह संग मरा पिता को मरुद दुनगा
हे मुने मेले पनीत पात्र कहि मुन उछ हे मुने भेद तावध हे मुने
पति हेन दृष्टी को प्रमाण कहंछु इष्टि जो धन वास को री न
मा भया कि इष्टि काम आभागा मुने रुप वत छु मुने पर्वत कत
पीतार का छन भया बोर गिलास्यो जन विस्तार भया का इन सुमेरु
कनक पाताल सप्त पुण्य कहंछु फेरि इन सुमेरु पर्वत का आठ दि
विषे आठ भेग कहंछु ति भेग कानाम पनी कहंछु पैले हेमन्त भेग नील भेग
तुर्व भेग माल्य वन भेग गंदमान भेग रत्न भेग इत्यादि गरी आठ
हेमन्त भेग का कति वीरता छ भया लान एक लाय यजन वीरता
आठ भेग जो छु एक ता सब रै वर विस्तार भया का छु हे मुने
कामाधी वाट सत्य लोक छु सत्य लोक देवि न माथी विकु राठ
भेग माथी वाठ केला राप वत शिव का पूछु एस स्थान मान
भेग हे मुने एस स्थान मो दारया दि होला पुण्योत्तमा कहंछु अ
उदै नर हे मुने एस सुमेरु पर्वत देवि न नोरवरा इत्यादि
भेग भेग कहंछु कि भेग कहंछु सिद्ध कहंछु इल कहंछु
पावरा कहंछु वरा कहंछु भेग कहंछु लिखरा कहंछु केतु खरा कहंछु माल खरा कहंछु

उदयः सप्तमस्तु वतदा विनोदः खलुः सुखं रसः
रभारवराडः गालपद्धि किन्नरखगड सिद्धखराड इलवृक्षार
पावरण्डः कोचखराड भद्रजलिखराड केतुखराड मालखराड
निधखराड मिहयर्वनमाड कीरघ्याका छन्द हेमुनेश्च
गोसातगोः खन् पेलेप्रतक्षमानभयाका साल्मली दीपपुष्क
कोवहिप कुशदीप शाकदीप जीवुदीप इनदीप्का प्रमाणामु
इका द्विपकोलाखय धनकोकरकुछ सातर पुत्रले वीहितगरियाका
छप्ट लीकन नमः इका नाम कच्छु पैलेक्षारसमुद्र इक्षराण्ड मुसुस
मुद्र दित्तमुद्र साष्ट समुद्र क्षिरसमुद्र जलसमुद्र नमसमुद्र कादोवर
स्वछताभिगेयाकोट तारसमुद्र कालाघ योजनप्रमाण एकदोवर
क्षेममुद्र एकादाल पुरासमुद्र हेमुने एते प्रकार संग दोब वछतेगया
एकदोवर सामेसामुद्र नेपथ्वीः आवहितगरियाकाकोट नमुदि
यका प्रमाण लक्षण सांग गोर्दाका प्रमाण लेकोटियोजन का नमुदी
पमयाका दुःसक्तमेव नदीपरमे प्रकार लेदोवर स्वछतेगयाकोटि
हेमुने सातमीन एकादाल इका रक्व गरिहीसावाग्दमा साठिकोटि द्य
नाययोः गालुः आदिगरीष्वीवीकाल माइको नाराभायाको छ
हेमुने सप्तमस्तु वतदा विनोदः खलुः सुखं रसः
रभारवराडः गालपद्धि किन्नरखगड सिद्धखराड इलवृक्षार
पावरण्डः कोचखराड भद्रजलिखराड केतुखराड मालखराड
निधखराड मिहयर्वनमाड कीरघ्याका छन्द हेमुनेश्च
गोसातगोः खन् पेलेप्रतक्षमानभयाका साल्मली दीपपुष्क
कोवहिप कुशदीप शाकदीप जीवुदीप इनदीप्का प्रमाणामु
इका द्विपकोलाखय धनकोकरकुछ सातर पुत्रले वीहितगरियाका
छप्ट लीकन नमः इका नाम कच्छु पैलेक्षारसमुद्र इक्षराण्ड मुसुस
मुद्र दित्तमुद्र साष्ट समुद्र क्षिरसमुद्र जलसमुद्र नमसमुद्र कादोवर
स्वछताभिगेयाकोट तारसमुद्र कालाघ योजनप्रमाण एकदोवर
क्षेममुद्र एकादाल पुरासमुद्र हेमुने एते प्रकार संग दोब वछतेगया
एकदोवर सामेसामुद्र नेपथ्वीः आवहितगरियाकाकोट नमुदि
यका प्रमाण लक्षण सांग गोर्दाका प्रमाण लेकोटियोजन का नमुदी
पमयाका दुःसक्तमेव नदीपरमे प्रकार लेदोवर स्वछतेगयाकोटि
हेमुने सातमीन एकादाल इका रक्व गरिहीसावाग्दमा साठिकोटि द्य
नाययोः गालुः आदिगरीष्वीवीकाल माइको नाराभायाको छ
हेमुने सप्तमस्तु वतदा विनोदः खलुः सुखं रसः

[illegible]

यो देवः स एतन्महापुरुषस्थानहो एस्यानमावसिकनयधर्मयो
 येनैवासायायने सायायनाफलकनपात्रीछु हेमुने एसजनुवी
 काउता नयिहामा... विवेराजगतागाकाछर इतलीवाल
 ... तलकनमोक्षप्रति
 ... भूतसंशोधित जगद्विभक्ती नाम भयोतले
 ... निम्न कोंछ लक्षटक्षभाषाकाहुनले
 ... दुखहुनलेशाल्ममलीदिपूमगिता
 महुदी... काले हुनलि दुर्दा भनी नाम भयोको हो फुरियो
 ... नाम वदन नाले को वदिय भनि नाम हुने थ्यो शा
 ... सर्वतुन ले शाकविष न नी नाम हु दो भयो फेरिकमल
 ... नाले पुष्प विष भनी नाम भयो हुने इन प्रकरणी
 ... अत्यन्त मस्तान भयोको ह एस स्थान गोरपुरा
 ... देव वागएले सकृत्तिगरा रुकुल दिवल संहित भे एस पृष्ठ
 रदोया प्राणायामले वासगत्याका छर भनी कुमार ले आगत्य पु
 ... आरत्य स्वाद्य एता कुमार ता बा के तुनी अनल्प
 पुत्रो करि शरीर दीप्ताहे कुमारिति एस भुद्धी को मित्र मायी वाट कुन्दु
 लाकछ ती स्थान ना कुन्दु देवता वरा का छर फेरि देवदेव नागसभ
 गंवर्भवृत प्रेत राक्षस पिशाचादि ह्रस्व देधि उडस निभमा फेरि मनुष्य
 गदिगारे स्थल नर जनावर इन हरूपती क रो वेन्द्र उत्पत्ति भया ना हुने फे
 रि इन पृथ्वी देधि न मायी कति तला छर इन देवता हरूपती कह कह
 स्थान मावस्था का छर आकाश विवेच इत्यर्थ आदिगेरे नवल धौ गर
 ल्लक्ष तो गरि गमन गरि स्थाका छर इन देवता ले कपा आहार गरी वस्थाका
 छर फेरि इन पृथ्वी कोर आकाश का काले योजन को फेर ले एस पृथ्वी मा
 कोरा से व्याघात का प्राणि छर इन प्राणिक ह्रे चित्र इत्यं लिभ साका हु
 हे कुमार ति पृथ्वी देधि न सप्त स्वर्ग छर भन्या का तिन कामा यक्षा कहा हो
 इन स्वर्ग मा कोन कोन देवता वस्था का छर एति मैले अधगुन्य को कुसंग
 मन मास रहे न दू पागरे विस्तार संगे अग्रा भे प्रराय भया जाय स
 मोक्ष स्य मुनी ल वितो गन्या का भाषा मुनी कन श्रेय भ्रेष्ट कुमार गोष्ट
 ... आपागद भिया रक्त दठवा दा देग ल मुनी सप्त स्वर्ग को क
 ... ले कह छु गावधान मे केन सुन इन पृथ्वी काना भुद्धी क
 ... कोटे जो जन मायी भुद्धी कन नी नाम भया का
 ... कोटे योजन मायी स्वर्ग कन नी नाम भया को छ
 ... तिन कोटे योजन मायी महर्षी कन नृलो कदे बिश्चार कोटे
 ... तन लोक द्वि जल लोक देधि न पाव कोटे योजन मायी तप लोक
 ... कोटे योजन मायी सत्य लोक द्वि सत्य लोक दे बिश्चार
 ... कोटे योजन मायी विष्णु लोक द्वि विष्णु लोक देधि न ठ कोटे योजन मायी म
 ... कोटे योजन मायी कुरा छर हे पुने देऊ एठे देधि न कोटे योजन मायी
 ... पार्वति देवी का स्थान छर एस स्थान मा भद्र भूति मेरा ना गु गरोश
 ... योगिनी सा हैत मेरा माता पार्वति विराज मान गर्भ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

कोविद्वेदं हमुनाशिवलोककतिगोविस्तरमयाकाछुमन्याविसकाटयज
नदिस्तरमयाकाछुद्यारकोटियोजनउचामयाकाछुसस्यावमानवरनकाछुमी
भयाकाछुन कोटिकोटिगृहवनाइराध्याकाछु कतिगृहस्यकीति चक्रका
कतिहरामोतीनेइयमगोकाछुहृद कतिस्फटिकका कतिवीडोलका नाना
नाहाप्रनीजनवरनशभृतीगरीवीत्रवीवित्रकाछुहवनाइराध्याकाछु
करेठाठेमाधाराचोतामावारीआदिगरीयनाइराध्याकाछु फेरिठाठेइम
फलकुललेसंयुक्तमयाकाछु हमुनेशिवलोकजोछुन दशकोटिप्री
यंकतेजमयाका अतीमनोहृदयानमयाका एस्ताशीवलोकपुरिवियेपपा
नारुठाठेइमावसि शिवका ध्यानगरीवसरुन भविलोकशत्रुअधिरा
जभविमलभविदेयभविनारदशभृतीलेगरीनुतुवेदिपारायगुगरीव
आकाछु हमुनेफेरि एसाध्यानमातपस्याकाप्रभावलेमाथीआइकनयक्षगी
धर्वकिचरअमरालोकविद्याधुरकन्याप्रभृतीलेनेत्येगरीइनानागितवाद्य
वजाइत्येगरीसिद्धराधकयोगेश्वरहृदलेसतनामसहअनामसहितपा
ठमारायगुगरीवस्याकाछु कतिलेजपध्यानसोत्रआदिगरीवस्याकाछु हमु
नेएस्ताशीवलोकजगदीश्वरपरब्रह्मप्रीशदारीविजगतमाताप्रीपार्यतिले
सहितभैरवस्तभमणिकासिंहसनमावीराजमानगरी समस्तपुण्यमाहृ
ताहृदसनदिन्दुन हमुनेइनशिवकारशनताइ विनातपस्यालेकसेकोगीप्ये
देव फेरि एसाध्यानवसिकन इन्द्रीयकोविकारदेव फेरि एसाध्यानमाया
लेपनीछोनशक्तिनर सोकडुमादिपगोकेलेदेव सदाकालमाआनन्दमय
भयाकाएस्ताध्यानमासेपुण्यमाता नारदप्रभृती भविलोक योगेश्वर
विद्याधुर इतरानदीभृदिप्रथमगण योगीशिक इत्यादीले महासावा
वाकले ध्यानलोकेसंयुक्तगरी इकनआफुवीधेभक्तिसेवागरीपरम
आनन्दसेगीजनमानमायाकाछु हमुने शिवलोकजोछुन मोक्षमा
यानमयाकाछु फेरि एसाध्यानमाहृद दीवकोप्रमाराछुन फे
केले पर्मानन्मलीजुनपन्याध्यानगीर्तलेहृदपआनन्दमय हमुनेकस्ताने
इनशीवलोकविषेवासगर्ताभन्यादेधिन् हिमालयपर्वतमागेकनप्रीशदा
शिवकाजपध्यानगरी एकवीनभैरवनेगलेतपस्यागर्ननेतेस्तामनुक्षालेशी
वलोकमयागोर्ता हेअगस्त्यमुनी एस्ताहिमालयपर्वतकावरपनगराकोमे
रागमर्चदेव इन्द्रदिदेवताहृदकोपनी उर्ध्वभयाकाएस्ताशीवलोक जोनमनु
काहमातयपर्वतमावसिकन श्रीउमामहेश्वरकाजपध्यानसोत्रगरीपूजाग
रीहृदनेस्वामिनुक्ष एसाध्यानशीवलोकविषे महाहृदयभैरवसहृदसा
जुगलकायराधकवपाउनाइ सनाथेछकुमारलेअगस्त्यमुनीप्रतीकहृदभया
हमुनेमोनामनुक्षलेइनशीवकामाहाहृदयुज्जाननुज्जनेसत्रलर्गसप्तपाता
नकाकुरासमस्तसुन्योभतीजानु ब्रह्मालेसुमेरुब्रह्मा आदिदेवदेव्ययदार्ग
धर्कवकीरनागरासजबवरमनका आदिभृदिगन्याकोकुरासुभया
नीलाइसमस्तपादिलेछोउन फेरि हृदलोकनाकवरकासमानकोधनप्रति
भैरव देवकालसुम सुव भोगगरीअनकाजविषे श्रीमहाहृदयपरीशीवलोक
मावाशागरीमोक्षप्राप्तिहोला हमुने श्रीमहाहृदलेइकहिमयाका आदिगरी
काकुरासुकविताभैरवला नहृदलेवसताअथवावचाउना धरविषेसंग्रहारी
एयता सस्तामनुक्षलाइहृदयअर्थकाभो आइवरपदार्थकनपाउता फेरिजो
नमनुक्षलेहिमालयवर्तने गेतापस्यागर्ताहोस्तामनुक्षलाइहृदयवर्तने

भावाहागरीमोक्षप्रतिहोला. हे मुने जे. मनुष्यले इकाहिंग्याका आदिहिंग्या
 कोठुठसुकचिन्तमेले. नाले वसला अथवा वचाउला घरविवेसंग्रहारी
 गयला. तेनामनुष्यलाइधर्मअर्थकाहमोक्षइवगपदार्थकनपउला. फेरिजे
 नामनुक्षलेहिनालदुखवै. गेतापसापालीगेलामनुक्षजाछनशीवलोली
 येथीमहासुखगारण. कनदगमआकनसंगमना. एलामनुक्षकेलेपनी
 पानीदारगजिनमहानुपन्याछन. सानअंत्यहाहनुत्यगेकनईनशीवलोकि
 विषेसुदाकानदाशगरपरमआनंदसंखन. नुनेनोनाननुक्षलोशिवसा
 पुन्यभाक्षपाउनाकाइसागननदलला. मनुक्षलेपलेथीमहासुखामेवधा
 नउपदशालिकनथीगुरुताथसीगआज्ञालिकन. महापुण्यस्थानभयाम्नाफु
 ली. पर्वभयाकाहिमालयपर्वनमागेकनजोवाचनपुन्यजेनपहगा. ते
 मतामनुक्षलाइपरछपदमोक्षपाइकनथीमहासुखामुक्तिदिखशरिरेकोदश
 कनपाउला. हे मुने. रनामिलयजोछन. थीपुलायेकाअतिप्रेमस्थानभय
 को. एलाहिमालयपर्वतकावरानागरीमरोसामर्थछेन. अवहनहियमय
 पर्वतकापीवाहभयाकोकरमकईछ. तपाजीलेपनीसोवधानहयविजो
 यवहय. सेनाअछकुमारलेआविशेहभयाकाअगतमपुनीप्रतीकहदा
 त्यापिकुरारोमहवराज्मजिने. मेघाररावडनवीयेशोनकादिआधि
 दलाइकरदाभया. इतिश्रीः स्कंदपुराणेहिमवतरवनेलोकानुक्तिनाम
 धृष्टमोक्षायः॥ स्कंदउवाचा. फेरिकुमारलेअगतमपुनीप्रतीकहदाभया
 हेअगतमपुनीपीधाताब्रह्माजोछुनतवलेसम्पूर्णश्रुतिगदिसव्यापदि
 पुनेहिमालयलाइकन्यादानगराउभनीमनलेवीनाकन. पितृलोकवी
 घजासभ. नाभाहापितृलोकलेपनीप्रियाआपछादेविकनसमस्तपितृला
 कनेब्रह्माकादरणमादण्डवतगरीअनेकआदरपूर्वकदिव्यआशनमावीराज
 मानगराउवाभया. ताहपदिमोःउशोपवारकेपुजागरिकन. सम्पूर्णपि
 तृलोकलेवीनिगर्दाभया. हेविता. एब्रह्माधये२भागेहामिहसको. तपार
 आउनुभयाकोकारणक्यालेभनीएसप्रकारलेपितृलोकहसलेवितीगम्या
 कोभायापुनीकनब्रह्माआपगादभयाहेपितृलोकनभोयाकोकारण
 असथेकहोइन. तिमिहसलेअनेककन्याहसश्रुतिगुंनयो. एसपृथ्वीमाक
 न्यादानगर्नाकापीविनलेहोभनीआपगरीब्रह्माजोछनब्रह्मलोकमाजा
 दाभया. पितृलोकलेपनीकन्याकाआपालेगरीकन. पितृलोकहसले
 पनीअनेककन्याजन्माउंदाभयफपेले. दिवानामगन्याकी. मेनकाना
 गन्या. किइत्यादिलेगरीकनसहस्र२कन्याउपनिगर्दाभया. इनकन्या
 हसमाअछ. दिवानानभयाकी. मेनकानामगन्याकिइदाभया. लक्षणा
 लपनीहपुनअसतपरमसुन्दरभया. जीआहाउजानअहसपुनकी
 याहसअलक्षिरा. असपुनअभागभयाकिहनुभनीपुनारलेअगतमपु
 नीप्रतीकहदाभयुत्ती. जाकजिकुउवावा. हेअगतमपुनी. नाहपदोइया
 लेपनीहनीकन्याहसउपनिभयाभनपुनीकनअतिहयभे. नारदमुनेका
 इडाकिआपगादभया. हेनारदतीमिपितृलोकमागेकनेदिता. मेनकाइड
 रगोटिसुमेरु. हिमालयलाइकन्यादानदिनुपन्योभनीमेराआप्यालीक
 नतिमिअलेगेभनभयाकाएलाब्रह्माकाभाखासनीकन. नारदक
 विपनीब्रह्माकाआपामाफिकगकनपितृलोककास्थानमापुगीक
 नआपगादभयाहेपितृलोकतिमिहसकन्याइडगोटि. दिवा. मेनका

[illegible]

सुमेरुमिलेक्यानक्राद्रगन्योमेलेतिलिलाइदनुं भनी आगपागदीभयाहे
सुमेरुमिलेतिमिलाइअनारर गन्त तसलाइतरकवासहोला नस्कातीमी
विषेभावरासलातमलाइतिमिलेपरमगतिदिनु फेरीजोनशिवभक्तभया
कद्रुनभयाविभुभक्तिभयाकाछुद्रुगभक्तिभयाका एस्तालेतिमिविषे
वासगर्भरोस विषेसशिवभक्तिभयाकावाइवाइवादीनु फेरीइनहस्तको
पुराणभयापदितिनिममययु ससालीकनपकाउनु हेसुमेरुतिमिर
मलाइवडिनु एकेरीरहो गोनालेतिमिरमेरो फरकगला तस्कनसदा
सर्वरुतरकवासहोला हेसुमेरुअवतिप्रोशरिरडुहगोटानुल्पाडेनु भनीरहा
तपिगरीदिदाभया पुनवार आगपागदीभया हेसुमेरुपितलोककोईयादि
मानाभनिति लाइकेयादानलिनगारु सनाप्रकारकवल काआगपासुनीकन
सुमेरुपर्वतयु सिभेकेन परमसुन्दराऊतारभेकवादिवाकन्यादावनीउत्ताभ
पितलोकविषेजावाभया ॥ कुमारउवाव ॥ हेअयलपानी योकराहिमत
पलेवरपापारहिमालयकाइ कनसुनीगरीभया हेइहाआदिपुरुभया
कानपाजीलो ॥ हिक्तापनीतमाजी विरपुतिभयाका एस्तानुपाजीका
रमकमलमाकोदिनमत्कार एस्तप्रकारसंगहिगरीकन फेरीविनिगदी
भया हेपितलमाजसोगरी सुमेरुलाइरहारुपिगर्भभयो तसोगरीमलाइपु
नीप्रसन्नभयाजावसर एस्तप्रकारसंगहिमालयकोविमिसुनीकन प्रमाजो
छुद्रु आगपागदीभया हेपुत्रहिमालय तथातकतिमिलेभन्याजसेहोलाजा
रुनेनका नमकन्यानिमिलेकन्यादानगाराइलेउ भनी एस्तप्रकारसंग आ
गपाभयोहिमालयपर्वतजोछुद्रु हवमानभेसुन्दररुपगरी नारद साविसम
स्तपर्वतप्रभुनीडाकिंकन अनेकवाछुवजाउगुलाइकनहिमालयजोछुद्रुमेन
काकेयादानलिनानीलि नपित लोकविषेजहाभया हिमालयआयाका
देखिकनपितलोकहस्तलेपनी अनेकआदरमानेगरीकन एकादशिका
दिनु हिमालयलाइविधीपुर्वकसीगमेनुकाकेन्यादानदीकन आक्राजुवाभीहि
मालयलाइ शिरवाडाहातलेसमाइकन आशिरवाददिदाभया हेह
ज पतिमिविरीजीवीभया संपुराणपर्वतकाराजाभया फेरीइनभृष्टिवनुसूर्य
भयाभक्त गिवावाभजेतिद्रा आशगरीरहलातीनीहस्तमलपावकिभया
पनी तेनिहस्तलाइतीमिलेपरमगतिदिनस्कनभया भनी एस्तप्रकारका
आशिरवार नकर फेरीभाकिपुत्रीमेनकालाइआशिरदिदाभया हेपुत्रीमेन
कातिमिमहा गानिभया आक्रापुरुषका अतोपीयारीभया फेरीतीप्रसि
उरहेलेपनीनमेदिभैभतिभया फेरीमहादेवआदिलेतिप्रापाउमानमकारा
उपरो कअनेककन्यातिमिदे विरजमहदस एस्तप्रकारसंग आशिरवादीकन
लयगोटिकन्याआभरणलेसैपुनगरीकनमेनकालाइदिदाभया फेरीहजारतो
नालवरातवाजीहिमालयलाइसिरादिकन पुजगरीभोजनादिगरीअनेक
माभेगदीभया इतिगरीसक्यापदिहिमालयजोछुद्रु ननलेससुरासंगविदाति
कन मेनकालाइसाथमालीकन आक्राघरमाआपुदाभया ॥ स्कंदउवाव ॥ हेज
गरुडइनहिमालयलेपनीअनेकपरमसुन्दरीमेनकात्रिपाइकन पंचादशवर्ष
पर्यन्तहिभोगगरीपरमआनन्दसंगवसरभया एहोकोहि एकदीनमाभेनका
गोइक आक्रामाइनजानकाइहागरीआदिभइरमातापीताकावरणमानम
कारगरीकन विनिगदीभइरमातापितामूलामहाउज्जुदामा आयाकि
नेराभतालेमलाइअनाररगरीमेरोमज्जपनीहेदेनरु तपाजीलेदिपठाउनुभ

[illegible]

